सरपंच द्वारा बैठक में न बुलाने पर आठ पंचों का सामूहिक इस्तीफा

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। फरीदाबाद के जाजरू गांव में सरपंच और पंचों के बीच विवाद का मामला सामने आया है। गांव के 8 पंचों ने सरपंच के कामकाज से नाराज होकर अपने पद से इस्तीफा देने का फैसला लिया और गुरुवार को बल्लभगढ़ स्थित बीडीपीओ कार्यालय पहुंचकर लिखित रूप से अपने इस्तीफे जमा कराए। इस्तीफा देने वाले पंचों में ईश्वर, रामेश्वर डागर, सुभाष, बलराम, हेमलता, अनीता, पूजा और मनीषा शामिल हैं। पंचों ने सरपंच पर गांव के विकास कार्यों और बैठकों से उन्हें दूर रखने के आरोप लगाए हैं। पंचों का कहना है कि पिछले करीब एक साल से उन्हें गांव की बैठकों में नियमित रूप से नहीं बुलाया जा रहा। कई बार गांव में विकास कार्य शुरू कर दिए जाते हैं, लेकिन उनकी जानकारी पंचों को नहीं दी जाती। पंचों ने आरोप लगाया कि गांव में कौन सा कार्य कब और किस योजना के तहत कराया जा रहा है, इसकी सूचना भी उन्हें नहीं मिलती। उनका कहना है कि जब भी वह इस संबंध में सरपंच से बात करते हैं तो वह कोई स्पष्ट जवाब नहीं देते और बात को टाल देते हैं। इसी नाराजगी के चलते सभी पंचों ने सामूहिक रूप से पंच पद से इस्तीफा देने का निर्णय लिया। वहीं, सरपंच अजय डागर ने पंचों द्वारा लगाए गए आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। सरपंच का कहना है कि गांव में जब भी कोई बैठक आयोजित की जाती है तो सभी पंचों को सूचना देकर बुलाया जाता है। उन्होंने कहा कि गांव में होने वाले सभी विकास कार्य पंचों की जानकारी और निगरानी में ही कराए जाते हैं। सरपंच अजय डागर ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ पंच उन पर निजी कार्य करवाने का दबाव बना रहे थे।

RITU CHAWLA MAKEOVERS

OUR SERVICES
BRIDAL MAKEUP
PARTY MAKEUP
MEHANDI LOOK
HALDI LOOK
PORTFOLIO SHOOT

DM FOR BOOKINS AND MORE DETAILS
ritu chawla7 9810721900

BUILDING BETTER COMMUNITIES FOR BUSINESSES AND LIVES
Plumbing Work | Stone and Tiles Flooring | Electric and Grinding Work | Elevation and Whitewash

HRA Enterprises
Write Your Future with Quality You Can Trust

आमजन को बेहतर आधारभूत सुविधाएं देना सरकार की प्राथमिकता : कृष्ण पाल गुर्जर

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने गुरुवार को वार्ड-30 के अंतर्गत सेक्टर-28 में नेशनल हाईवे से लगती सड़क पर लगभग 51 लाख रुपये की लागत से बनने वाले डिस्पोजल एवं बरसाती पानी की निकासी के लिए वाटर पाइप लाइन निर्माण कार्य का स्थानीय निवासियों से नारियल तुड़वाकर विधिवत शुभारंभ कराया। केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि बरसात के मौसम में नेशनल हाईवे से सटी इस सड़क पर जलभराव की समस्या लंबे समय से बनी हुई थी, जिसके कारण राहगीरों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों की मांग और समस्या की गंभीरता को देखते हुए यहां डिस्पोजल तथा वाटर पाइप लाइन डालने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर शुरू कराया गया है, जिससे बरसात के दौरान जल निकासी की व्यवस्था सुचारू रूप से सुनिश्चित हो सकेगी। कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में केंद्र एवं प्रदेश सरकार प्रदेश के समग्र विकास को नई गति देने का कार्य कर रही है। सरकार की प्राथमिकता केवल घोषणाएं करना नहीं, बल्कि तय समय सीमा में विकास परियोजनाओं को धरातल पर उतारकर आमजन तक उनका लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार योजनाबद्ध तरीके से कार्य किए जा रहे हैं। सड़कों, सीवरेज, जल निकासी, पेयजल, बिजली और अन्य जनसुविधाओं से संबंधित परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जा रहा है ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का सीधा ... के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में विकास कार्यों के माध्यम से लोगों का सरकार पर विश्वास लगातार मजबूत हुआ है और आने वाले समय में भी इसी गति से जनहित के कार्य जारी रहेंगे। इस अवसर पर पार्षद अनिल नागर, विमल मोहन, अनिल गुप्ता, अजय सांगा, मुकेश गोयल विकास मक्कड़, संजय सरदाना सहित अन्य कई गणमान्य व्यक्तिगण मौजूद रहे।

भारत में सूचना क्रांति स्व. राजीव गांधी की देन : बलजीत कौशिक

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व.राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि आज फरीदाबाद जिला कांग्रेस कमेटी ने श्रद्धापूर्वक मनाई। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष बलजीत कौशिक व उनकी टीम ने ओल्ड फरीदाबाद स्थित स्व. राजीव गांधी की प्रतिमा को गंगाजल से साफ करके उस पर माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले बलजीत कौशिक व उनकी टीम दिल्ली स्थित वीर भूमि पहुंची और वहां पर स्व. राजीव गांधी के समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित किए और श्रीमती सोनिया गांधी, सांसद एवं प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व वरिष्ठ कांग्रेस जनों से मुलाकात की।उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बलजीत कौशिक ने कहा कि राजीव गांधी भारत में सूचना क्रान्ति के जनक माने जाते हैं। देश के कम्प्यूटराइजेशन और टेलीकम्युनिकेशन क्रान्ति का श्रेय उन्हें जाता है। इतना ही नहीं बल्कि स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत रिजर्वेशन दिलवाने का काम उन्होंने ही किया। श्री कौशिक ने कहा कि मतदाता की उम्र 21 वर्ष से कम करके 18 वर्ष तक के युवाओं को चुनाव में वोट देने का अधिकार राजीव गांधी ने दिलवाया। उन्होंने कहा कि देश के निर्माण में राजीव गांधी के सहयोग को नकारा नहीं जा सकता, आज भारत देश जो उन्नति के शिखर पर पहुंचा है, उसकी नींव राजीव गांधी द्वारा ही रखी गई थी। श्री कौशिक ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी स्व. राजीव गांधी के सपनों को साकार करने में जुटे है और उन्नत भारत निर्माण में अपना योगदान दे रहे है क्योंकि कांग्रेस पार्टी इस देश के विकास के लिए सदैव समर्पित रही है और समर्पित रहेगी। इस मौके पर उपस्थित कांग्रेसजनों ने स्व. राजीव गांधी के आदर्शो पर चलने का संकल्प लेते हुए देश व समाजहित में कार्य करने का संकल्प लिया। इस मौके पर हरियाणा विचार विभाग के चेयरमैन विनोद कौशिक, जिला उपाध्यक्ष वेदप्रकाश यादव, रेनू चौहान, जिला महासचिव मुकेश डागर, सुनीता फागना, जिला सचिव एन.के. शर्मा, मोहसिन खान, वेदराम यादव, विकास फागना, प्रेम यादव, सीबी यादव, मनीष बौद्ध, यूनिस खान, महेन्द्र यादव, मेहरचंद पाराशर सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

नई चिकित्सा तकनीकों पर विशेषज्ञों का मंथन, डॉक्टरों को किया जागरूक

फरीदाबाद की आवाज

AK TARUN ELECTRICALS
OUR SERVICES
Industrial Power Work
Electrical Fixes
LT Panel Wiring
Motor Winding
Domestic Wiring
Call Us: 9711103842

MEDIA HOUSE
स्वस्तिका creation
PRGI Approved printing press
SWASTIKA CREATION
COMPLETE PRINTING SOLUTION
All Type of Offset Printing, Label Printing, Die Cutting, Lamination, Gumming, Diary, Calender, Gift Items Etc.
19, DSIIDC SHEDS, SCHEME 3, OKHLA INDUSTRIAL AREA, PHASE-II, MEW DELHI-110020
Mobile: 9810635211 , 9811635211 , 9990635211
Email : dinesh@swastikacreation.com | faridabadkiawaz@gmail.com
Website : www.swastikacreation.com | www.faridabadkiawaz.com

STAR PRINT O PACK
Star Print O Pack
Complete Unit of Printing & Packaging
Deals in Gifting Boxes, Wedding Boxes (All Types of Boxes) & Printing
Building no.19, Ground Floor, DSIDC Sheds, Scheme-3, Okhla Phase 2, New Delhi, Delhi, 110020, India

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक दिनेश शर्मा द्वारा स्वास्तिका क्रिएशन, 19 डीएसआईडीसी शेड, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से मुद्रित करवाकर मुख्य कार्यालय 19 डीएसआईडीसी शेड, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से प्रकाशित किया।
पीआरबी एक्ट के अंतर्गत रचनाओं के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्यायक्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। फोन : 011-26386221 मो. : 9810635211 DCP Licencing No. F.2 (F-10) Press/2017 RNI No. - DELHIN/2017/76338

Sig1 SideA 05/25/2026 11:35:10 Swastika Creation 3292.job Process Black

फरीदाबाद की आवाज़

RNI No. -DELHIN/2017/76338
Email : faridabadkiawaz@gmail.com
वर्ष : 09 अंक : 25 दिल्ली से प्रकाशित सोमवार 25-31 मई 2026
Website : faridabadkiawaz.com
मूल्य : 5/- रु. पृष्ठ : 8

देश की आवाज़

पीएम मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति की हुई मुलाकात

रणनीतिक और आर्थिक सहयोग पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और साइप्रस के रिश्तों को नई मजबूती देने की दिशा में शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस की नई दिल्ली में मुलाकात हुई। दोनों नेता व्यापार, निवेश, कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय मुद्दों समेत कई अहम विषयों पर चर्चा करेंगे। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस गुरुवार को नई दिल्ली पहुंचे, जहां केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। विदेश मंत्रालय (MEA) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रपति को औपचारिक स्वागत और गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। ... को नई ऊंचाई देने की प्रतिबद्धता जताई है। नई दिल्ली में राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलिडेस राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात करेंगे। राष्ट्रपति मुर्मू उनके सम्मान में आधिकारिक भोज का आयोजन करेंगी।

अमित शाह ने 'स्मार्ट बॉर्डर' परियोजना की घोषणा की

घुसपैठियों को बाहर करने की शून्य-सहिष्णुता नीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज घोषणा की कि सरकार सीमा पार घुसपैठ के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति अपनाएगी। उन्होंने बताया कि देश की सीमाओं को सील करने और सभी अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने के लिए एक व्यापक स्मार्ट बॉर्डर परियोजना इस वर्ष शुरू की जाएगी। शाह ने कहा कि अवैध प्रवासन जनसांख्यिकीय बदलाव ... (बीएसएफ) के पदग्रहण समारोह 2026 को संबोधित करते हुए शाह ने यह बात कही। गृह मंत्रालय देश की 6,000 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर एक अभेद्य सुरक्षा ग्रिड लागू करेगा। उन्होंने घोषणा की कि अगले एक वर्ष के भीतर, स्मार्ट बॉर्डर अवधारणा के तहत, बीएसएफ को ड्रोन रडार और उन्नत कैमरों सहित ... राज्य पुलिस, जिला कलेक्टरों और ग्राम पटवारियों के साथ सीधे समन्वय करके अपने खुफिया नेटवर्क का विस्तार करे। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा सरकारों के साथ नीतिगत तालमेल इस सुरक्षा ग्रिड को सुविधाजनक बनाएगा। गृह मंत्रालय जल्द ही इन तीनों राज्यों के ... करना सुरक्षा नहीं है; उसे जड़ से खत्म करना ही सही तरीका है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि सीमा पर तैनात जवानों की सहायता के लिए जल्द ही एक उच्च-शक्ति जनसांख्यिकी मिशन शुरू किया जाएगा। शाह ने बीएसएफ के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि 1965 में 25 बटालियनों के साथ शुरू हुआ यह बल अब 2,70,000 कर्मियों वाला दुनिया का ... सम्मानित भी किया। इस परियोजना का मुख्य लक्ष्य देश की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को पूरी तरह से सील करना है। इसके तहत सीमा सुरक्षा बल को आधुनिक तकनीक जैसे ड्रोन रडार और उन्नत कैमरों से लैस किया जाएगा। यह पहल अगले एक वर्ष के भीतर पूरी की जाएगी।

दुनिया के सबसे गर्म 22 शहरों में सभी भारत के

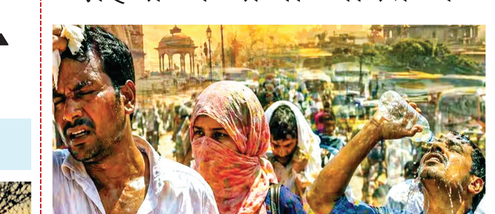

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश को अगले 3 दिन तक गर्मी से राहत के आसार नहीं हैं। AQI वेदर के मुताबिक शुक्रवार दोपहर 3 बजे दुनिया के 22 सबसे गर्म शहरों में पारा 47°C से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। यह सभी शहर भारत के ही हैं। इनमें 13 शहर उत्तर प्रदेश के हैं। ओडिशा का बोलांगीर और बिहार का सासाराम सबसे ज्यादा ... 30°C से ऊपर रहा। सबसे ज्यादा 33.7°C तापमान राजस्थान के हनुमानगढ़ में रहा। इस बार सबसे बड़ा खतरा ये है कि दिन की हीटवेव के बाद रातें भी गर्म बनी हुई हैं। UP में अगले 3 दिन हीटवेव का रेड अलर्ट है। बिहार के पटना और गयाजी में गर्मी के कारण 22 से 26 मई तक 5वीं तक के स्कूल बंद किए गए हैं। वहीं, राज्य के मधेपुरा और सहरसा में गुरुवार को बारिश हुई, इस दौरान बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई। राजस्थान में गंभीर हीटवेव का अलर्ट है। रातें भी गर्म रहेंगी। छत्तीसगढ़, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में भी हीटवेव ... हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, राजस्थान और तेलंगाना में हीटवेव की स्थिति बनी रह सकती है। पश्चिम बंगाल, ओडिशा और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में गर्म और उमसभरा मौसम बना रह सकता है।

सम्पादकीय

समुद्र की बेचैनी, बाजार की गर्मी और भारत की ऊर्जा चुनौती

दिनेश शर्मा

पश्चिम एशिया संकट,तेल-गैस की बढ़ती कीमतें, उर्वरक दबाव और भारत की रणनीतिक तैयारी पर केंद्र सरकार की बड़ी तस्वीर ...

चंद्रपुर में बाघ ने किया हमला, चार महिलाओं की मौत

चंद्रपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में शुक्रवार सुबह एक बाघ ने चार महिलाओं को मार डाला। यह महिलाएं शुक्रवार की सुबह तेंदू के पत्ते इकट्ठा कर रही थी। तभी यह घटना हुई। यह जानकारी वन अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना जिला मुख्यालय से लगभग 70 किलोमीटर दूर सिंदेवाही तहसील के गुंजेवाही गांव के पास हुई।दरअसल, महिलाओं का एक समूह तेंदू के पत्ते इकट्ठा करने के लिए जंगल में गया था, जिनका उपयोग मुख्य रूप से बीड़ी (हाथ से बनी सिगरेट) के प्राकृतिक आवरण के रूप में किया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि जब वह पत्ते इकट्ठा करने में व्यस्त थीं, तभी एक बाघ ने हमला किया। इसमें चार की मौत हो गई। मृत महिलाओं की पहचान कावादाबाई मोहुरले (45), अनीताबाई मोहुरले (40), सुनीता मोहुरले (38) और संगीता चौधरी (50) के रूप में हुई है। ये सभी गुंजेवाही की निवासी थीं। हालांकि यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि बाघ ने सभी महिलाओं को एक ही स्थान और समय पर मारा या अलग-अलग स्थानों पर मारा है।

त्विषा शर्मा के शव का दोबारा होगा पोस्टमार्टम

त्विषा शर्मा का दिल्ली एम्स की टीम दोबारा करेगी पोस्टमार्टम, एमपी हाईकोर्ट का निर्देश

भोपाल (एजेंसी)। जबलपुर हाईकोर्ट में शुक्रवार को दो याचिकाएं त्विषा के परिवार वालों की तरफ से लगाई गईं थी। इसमें से एक याचिका त्विषा का दोबारा पोस्टमार्टम करने से संबंधित थी। इस याचिका का निस्तारण करते हुए कोर्ट ने त्विषा के शव का दोबारा पोस्टमार्टम कराने के निर्देश दिए हैं। पोस्टमार्टम भोपाल में दिल्ली एम्स की टीम करेगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि पोस्टमार्टम मृत देह के सम्मान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कोर्ट यह तय करेगा कि शव किसे सौंपा जाएगा। इससे पहले राजधानी भोपाल के कटारा हिल्स थाना क्षेत्र में रहने वाली त्विषा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में परिजनों को भोपाल जिला एवं सत्र न्यायालय से झटका लगा था। परिवार वाले भोपाल एम्स में हुए पोस्टमार्टम की रिपोर्ट से सहमत नहीं थे। इसके बाद उन्होंने सत्र न्यायालय में दोबारा पोस्टमार्टम कराने की याचिका दायर की थी, जिसे सत्र न्यायालय ने खारिज कर दिया था। त्विषा शर्मा का 13 मई को भोपाल स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में पोस्टमार्टम किया गया था। अब दिल्ली एम्स की टीम त्विषा शर्मा का पोस्टमार्टम करेगी।वहीं, त्विषा के परिवार वालों ने जबलपुर हाईकोर्ट में दूसरी याचिका त्विषा की सास गिरिबाला सिंह की जमानत को रद्द करने के लिए लगाई थी। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। इस मामले में अगली सुनवाई 25 मई को होगी। जबलपुर हाईकोर्ट में त्विषा के पति समर्थ सिंह की अग्रिम जमानत की याचिका नहीं लगाई गई। समर्थ सिंह के वकील मृगेंद्र सिंह ने कहा कि समर्थ सिंह भोपाल के सत्र न्यायालय में आत्मसमर्पण करेंगे। वहां उनकी जमानत के लिए याचिका लगाई जाएगी। ट्विशा के परिजन ने जमानत याचिका पर आपत्ति लगाई है। उसके पिता नवनिधि शर्मा ने आरोप लगाए हैं कि समर्थ जुलाई 2023 से अगस्त 2025 तक मध्य प्रदेश सरकार में लीगल एडवाइजर के तौर पर काम कर चुका है। वह फरारी के दौरान केस को प्रभावित कर रहा है। ट्विशा शर्मा के पिता नवनिधि शर्मा ने पुलिस कमिश्नर संजय सिंह को पत्र लिखकर कटारा हिल्स थाना प्रभारी सुनील दुबे को हटाने की मांग भी की है। नवनिधि शर्मा ने कहा- अमेरिका में भी डेडबॉडी को माइनस 80 डिग्री तापमान में रखने की व्यवस्था नहीं होती। इसके लिए माइनस 4 डिग्री तापमान ही पर्याप्त होता है। यह पूरा पैनिक पुलिस की ओर से क्रिएट किया जा रहा है, ताकि हम जल्द से जल्द बॉडी लेकर रवाना हो जाएं। हमारी ओर से यह साफ है कि हम मरते दम तक दूसरे पोस्टमॉर्टम की मांग को लेकर लड़ते रहेंगे।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा-बकरीद पर गाय की कुर्बानी जरूरी नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बकरीद से पहले पश्चिम बंगाल सरकार की पशु वध संबंधी गाइडलाइन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि बिना जरूरी फिटनेस सर्टिफिकेट के गाय, भैंस, बैल या बछड़े का वध नहीं किया जा सकता। चीफ जस्टिस सुजय पॉल और जस्टिस पार्थ सारथी की बेंच ने कहा कि खुले सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी पशु का वध पूरी तरह बैन है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसले का हवाला देते हुए कहा कि ईद-उल-जुहा में गाय की कुर्बानी इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। पूर्व तृणमूल नेता व विधायक हुमायूं कबीर ने गाइडलाइन का विरोध करते हुए ईद पर हर हाल में कुर्बानी की धमकी दी है। इस पर भाजपा ने कहा कि किसी भी हाल में अवैध स्लॉटरहाउस नहीं चलने दिए जाएंगे। दरअसल 13 मई को बंगाल सरकार ने गोहत्या से जुड़े 1950 के कानून और 2018 के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए एक नोटिस जारी किया था। इसमें कहा गया था कि बिना 'फिटनेस सर्टिफिकेट' के किसी भी मवेशी-भैंस की हत्या पूरी तरह से बैन है। बंगाल सरकार ने कहा कि फिटनेस सर्टिफिकेट केवल किसी नगरपालिका के अध्यक्ष, किसी पंचायत समिति के प्रमुख और एक सरकारी पशु चिकित्सक के साथ मिलकर जारी किया जाएगा। यह सर्टिफिकेट तभी जारी होगा जब अथॉरिटी सहमत हो कि जानवर 14 साल से ज्यादा उम्र का है, वह प्रजनन के लायक नहीं और बूढ़ा है।

दिल्ली दंगे के आरोपी उमर को 3 दिन की जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली दंगा साजिश मामले में 7 साल से जेल में बंद आरोपी उमर खालिद को 3 दिन की अंतरिम जमानत दी। जमानत 1 जून सुबह 7 बजे से 3 जून शाम 5 बजे तक प्रभावी रहेगी। खालिद को इसके लिए 1 लाख रुपए का निजी मुचलका भरना होगा। हाईकोर्ट ने कहा- उमर को पहले भी पारिवारिक कार्यक्रमों के लिए अंतरिम जमानत मिल चुकी है। उन्होंने अदालत की शर्तों का पालन किया था। वह इस मामले में मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक है, लेकिन उनकी मां की मेडिकल स्थिति को देखते हुए सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाया गया। उमर ने कोर्ट में 22 मई से 5 जून तक 15 दिन की अंतरिम जमानत मांगी थी। याचिका में कहा था कि वह अपने स्व. मामा के चेहलुम में शामिल होना चाहता है। साथ ही अपनी 62 साल मां की 2 जून को होने वाली लंप एक्सिशन सर्जरी के दौरान उनकी देखभाल करना चाहता है।

होर्मुज में जहाजों से फीस वसूलने की तैयारी में ईरान

ओमान के साथ पेमेंट सिस्टम पर बातचीत जारी, अमेरिका बोला- यह मंजूर नहीं

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। ईरान और ओमान होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर फीस वसूली के सिस्टम को लेकर बातचीत कर रहे हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की नई बनाई गई पर्सियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (PGSA) ने कहा कि उसने होर्मुज स्ट्रेट के मैनेजमेंट सुपरविजन एरिया की सीमा तय कर दी है। अथॉरिटी के मुताबिक, यहां से गुजरने के लिए परमिट जरूरी होगा। फरवरी में अमेरिकी और इजराइली हमलों के बाद ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल ट्रैफिक लगभग रोक दिया था। इससे अंतरराष्ट्रीय शिपिंग प्रभावित हुई और ऊर्जा कीमतों में तेजी आई। इसके बाद ईरानी अधिकारियों ने इस जलमार्ग से राजस्व जुटाने के विकल्पों पर चर्चा शुरू की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है और यहां किसी तरह का टोल नहीं होना चाहिए। विदेश ... बजाय सर्विस फीस मॉडल पर काम कर रहा है। इसमें जहाजों से ट्रांजिट फीस, पर्यावरण शुल्क और अन्य सेवाओं के नाम पर रकम ली जा सकती है। दो ईरानी अधिकारियों के मुताबिक ओमान अब इस प्रस्ताव में संभावित आर्थिक फायदे देखते हुए हिस्सेदारी पर चर्चा कर रहा है। ओमान खाड़ी देशों और अमेरिका के साथ इस योजना को आगे बढ़ाने की कोशिश कर सकता है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) नौसेना ने दावा किया है कि पिछले 24 घंटों में 35 जहाज, जिनमें तेल टैंकर और कंटेनर पोत शामिल हैं, होर्मुज स्ट्रेट से गुजरे। IRGC ने कहा कि यह नियंत्रण क्षमता के प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। एक दिन पहले IRGC ने कहा था कि 24 घंटे के भीतर 31 जहाज स्ट्रेट से गुजरे थे। अब नए आंकड़ों के साथ यह संख्या बढ़कर 35 हो गई है। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता में प्रगति के संकेत मिलने से यूरोपीय शेयर बाजारों में तेजी देखी गई। निवेशकों ने पश्चिम एशिया तनाव कम होने की उम्मीद में खरीदारी बढ़ाई, जबकि जर्मनी के मजबूत आर्थिक आंकड़ों और बेहतर कॉरपोरेट नतीजों ने भी बाजार को सहारा दिया। पैन-यूरोपीय STOXX 600 इंडेक्स 0.5% बढ़कर 623.79 अंक पर पहुंच गया। बाजार ...

भोजशाला में 700 साल बाद नमाज नहीं, सिर्फ पूजा

मुस्लिम समाज ने बांधी काली पट्टी, बंद रहीं दुकानें, धार में 2 हजार पुलिसकर्मी तैनात

धार (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के धार स्थित भोजशाला में करीब 700 साल बाद परिसर में नमाज नहीं, सिर्फ पूजा हुई।भोज उत्सव समिति ने शुक्रवार को वाग्देवी की प्रतिमा स्थापित कर दर्शन-पूजन कराया। मंदिर में सुबह से बड़ी संख्या में ... पर पूरा भरोसा है। अब्दुल समद ने कहा- कमाल मौला मस्जिद में 700 साल से जुमे की नमाज अदा होती रही है। इस परंपरा को प्रभावित किए जाने से समाज में दुख है, लेकिन लड़ाई पूरी तरह संवैधानिक और कानूनी दायरे में ही ... बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। दोपहर एक बजे पूजन-हवन के लिए भोजशाला परिसर के बाहर ज्योति मंदिर पर हिंदू संगठन के सदस्य इकट्ठा होने लगे। अधिकारियों ने इन्हें हटाने की कोशिश की तो हल्की बहस हो गई। ...

संक्षिप्त डायरी

हर्षवर्धन की शतकीय पारी ने ग्रीनपार्क हास्टल को जिताया

कानपुर (एजेंसी) [illegible]

दूसरे दिन भी धरने पर बैठे वकील, जाम से कराह उठा शहर

प्रयागराज (एजेंसी) [illegible] हत्या के प्रयास समेत कई गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इसके बावजूद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की जा रही। इसी विरोध में बृहस्पतिवार सुबह से ही बड़ी संख्या में वकील एकलव्य चौराहे पर जुटने लगे। नारेबाजी करते हुए घटना में शामिल जूनियर डॉक्टरों की गिरफ्तारी की मांग की। वकीलों ने कहा कि जब तक गिरफ्तारी नहीं होगी, विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। इसके बाद दोपहर में पुलिस ने एकलव्य चौराहे की चारों तरफ से बैरिकेडिंग कर दी। इससे शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई। धरना-प्रदर्शन और जगह-जगह बैरिकेडिंग के कारण सिविल लाइंस क्षेत्र में चारों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जीएचएस, ऑटो सेल्स चौराहा, पत्थर गिरजाघर, हाईकोर्ट पानी की टंकी के पास जाम लग गया। सुभाष चौराहा, मेडिकल चौराहे, कानपुर-प्रयागराज मार्ग, धूमनगंज, सुलेमसराय में घंटों तक वाहन रेंगते रहे। वाहन चालकों ने वैकल्पिक मार्गों का सहारा लिया लेकिन वहां भी दबाव बढ़ा तो गलियां वाहनों से भर गईं। पुलिस घटना में शामिल अज्ञात जूनियर डॉक्टरों की पहचान करने में जुटी है। अस्पताल परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए हैं। वकीलों की ओर से उपलब्ध कराए गए और सोशल मीडिया में वायरल वीडियो को जांच का हिस्सा बनाया गया है। डीसीपी नगर मनीष कुमार शांडिल्य का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। एसआरएन और एकलव्य चौराहे के आसपास बढ़ी सुरक्षा

एसआरएन अस्पताल परिसर और एकलव्य चौराहे के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस अधिकारी लगातार प्रदर्शन स्थल और अस्पताल परिसर की निगरानी कर रहे हैं। पुलिस की कोशिश है कि दोनों पक्षों के बीच तनाव और न बढ़े और कानून व्यवस्था बनी रहे

परिजन पहुंचे थाने, युवक की हत्या की जताई आशंका

अमेठी(एजेंसी) गौरा गांव निवासी अजय कुमार सरोज की मौत के मामले में बृहस्पतिवार को नया मोड़ सामने आया। हत्या की आशंका जताते हुए परिजन और ग्रामीण जामों थाने पहुंचे। परिजनों ने युवक की मौत मामले को संदिग्ध बताते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई। पिता राजबहादुर सरोज ने बताया कि अजय घर से दोस्तों के साथ निकला था। बाद में उसके नशे की हालत में लौटने की बात सामने आई, मगर कुछ दूरी पर सड़क किनारे उसका खून से लथपथ शव मिला। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के साथ बेटा गया था, घटना के बाद वही लोग लापता बताए जा रहे हैं। इससे परिवार को घटना पर शक हो रहा है। उनका कहना है कि मामले की गहराई से जांच होनी चाहिए, जिससे बेटे की मौत की असली वजह सामने आ सके। मां भानुमती ने कहा कि बेटा घर से ठीक हालत में निकला था, फिर अचानक उसकी मौत की खबर मिल गई। बड़े भाई शिवकुमार ने कहा कि परिवार सड़क हादसे की कहानी पर भरोसा नहीं कर पा रहा है। घटना के बाद कई सवाल खड़े हो रहे हैं, जिनका जवाब मिलना जरूरी है। मंगलवार रात अजय कुमार सरोज की बाइक गौरा चौराहे के पास बिजली के खंभे से टकराने की सूचना सामने आई थी। गंभीर हालत में उसे सीएचसी पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था। शुरूआती जानकारी में मवेशी को बचाने के दौरान हादसा होने की बात कही गई थी। इंस्पेक्टर विनोद सिंह ने बताया कि मामले के हर पहलू की जांच की जा रही है।

गाजीपुर में राख पैकिंग गोदाम पर सो रहे ठेकेदार की गोली मारकर हत्या

फरीदाबाद (एजेंसी) के डबुआ थाना क्षेत्र स्थित गाजीपुर इलाके में देर रात एक राख पैकिंग गोदाम में सो रहे युवक की अज्ञात हमलावर द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 31 वर्षीय योगेश कुमार के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बिहार का रहने वाला था और गोदाम में ठेकेदारी का काम करता था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए ईएसआईसी अस्पताल की मोर्चरी में भिजवा दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी का लंबा आपराधिक रिकॉर्ड है। उसके खिलाफ लूट, डकैती, हत्या के प्रयास, मारपीट और शस्त्र अधिनियम समेत सात से अधिक मामले भिवाड़ी, करनाल और फरीदाबाद में दर्ज हैं।

हम समस्याएं नहीं, समाधान देते हैं, तभी जनता जनार्दन हमें चुनती है: सीएम योगी

देवरिया में सीएम योगी ने 655 करोड़ की 19 परियोजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास

देवरिया (एजेंसी) [illegible] कहा कि 2014 के बाद देश ने नए भारत का दर्शन किया है। प्रधानमंत्री मोदी जी के विजन को आगे बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने तेजी से इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को प्राथमिकता दी, क्योंकि गति जितनी तेज होगी, विकास का लाभ उतनी ही तेजी से आम जनता तक पहुंचेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही से कहा कि कुशीनगर में कृषि विश्वविद्यालय का निर्माण लगभग [illegible] आधुनिक तकनीक, कम लागत और अधिक उत्पादन की दिशा में नई राह दिखाएगा। देवरिया अब फोर लेन कनेक्टिविटी से जुड़ चुका मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वह गोरखपुर से सांसद थे, तब उन्हें अक्सर देवरिया आना पड़ता था। उस समय प्रदेश में अराजकता, उत्पीड़न और तुष्टीकरण की राजनीति थी। गोरखपुर से देवरिया तक सड़कें बदहाल थीं, कई हिस्सों में सिंगल लेन मार्ग था और [illegible] जुड़ चुका है। यहां से गोरखपुर पहुंचने का समय घट गया है। देवरिया से बलिया तक सड़क परियोजनाएं आगे बढ़ रही हैं। देवरिया-कसया फोर लेन मार्ग और बाईपास बनने से न केवल यातायात आसान होगा, बल्कि यह नॉर्थ-साउथ कनेक्टिविटी का बड़ा हिस्सा बनेगा। यह मार्ग देवरिया को मऊ, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, वाराणसी व लखनऊ से जोड़ेगा और गोरखपुर-सिलीगुड़ी [illegible] जनता से जुड़े हर प्रोजेक्ट को प्राथमिकता के आधार पर मंजूरी दी जा रही है। हाल में पीडब्ल्यूडी की कार्ययोजना को लेकर सांसदों-विधायकों के साथ बैठक में सभी आवश्यक परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। मेडिकल कॉलेज, आईटीआई और स्किल डेवलपमेंट पर जोर मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ वर्ष पहले कोई सोच भी नहीं [illegible] मेडिकल कॉलेज और वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट ने ले ली है। अब प्रदेश में बेटियां सुरक्षित हैं, व्यापारी बेखौफ व्यापार कर रहे हैं और कोई भी गुंडा टैक्स वसूलने की हिम्मत नहीं कर सकता। प्रदेश की बेटियां नाइट शिफ्ट में भी काम कर रही हैं और यदि कोई शोहदा छेड़छाड़ का दुस्साहस करता है तो अगले चौराहे पर यमराज उसका [illegible] आशीर्वाद देने की अपील भी की। हमारी पहचान राम से, कृष्ण से और बाबा विश्वनाथ से बन गई है मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की पहचान पूरी दुनिया में बदल चुकी है। अरुणाचल, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल या तमिलनाडु-केरल, देश में हम जहां भी जाते हैं, हिंदी नहीं जानने वाला व्यक्ति भी हमें देखते ही मुस्कुराकर कहता है

10 देशों के मेहमानों की मेजबानी करेगी काशी, कल्चर समिट की तैयारियां तेज; चार समूहों में आएंगे विदेशी

वाराणसी (एजेंसी) ब्रिक्स कल्चर समिट के जरिए काशी एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी सांस्कृतिक पहचान मजबूत करेगी। प्रशासन विदेशी मेहमानों के स्वागत और सुरक्षा को लेकर व्यापक तैयारियों में जुटा है। जी-20 के सफल आयोजन के बाद एक बार फिर वाराणसी वैश्विक कूटनीति और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बनने जा रही है। चार और पांच जून को यहां आयोजित होने वाली ब्रिक्स कल्चर समिट की तैयारियां तेज हो गई हैं। समिट में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका के साथ मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया और संयुक्त अरब अमीरात सहित 10 देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। विदेशी मेहमान चार समूहों में वाराणसी पहुंचेंगे। समिट की तैयारियों को लेकर बृहस्पतिवार को कमिश्नरी सभागार में मंडलायुक्त एस राजलिंगम और संस्कृति मंत्रालय की निदेशक प्रियंका चंद्र की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक हुई। बैठक में सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, आवागमन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने आयोजन स्थल और विदेशी मेहमानों की सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी भी दी। तैयारियां तेज मंडलायुक्त एस राजलिंगम ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि तय समय सीमा में समन्वय के साथ व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं ताकि मेहमानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रशासन शहर को स्वच्छ, सुरक्षित और आकर्षक बनाने पर विशेष जोर दे रहा है।

व्हीलर्स क्लब और रेस क्लब पर एक्शन की तैयारी, जीटीबी स्कूल को भी दिया जा चुका नोटिस

मेरठ (एजेंसी) मेरठ कैंट क्षेत्र में रक्षा भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराने के लिए डीईओ कार्यालय जुट गया है। प्रतिष्ठित जीटीबी पब्लिक स्कूल को खाली करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया जा चुका है। अब अन्य संपत्तियों पर भी कार्रवाई की तैयारी है। मेरठ छावनी (कैंट) क्षेत्र में स्थित बहुमूल्य रक्षा भूमि को अवैध अनाधिकृत कब्जों से मुक्त कराने के लिए रक्षा संपदा अधिकारी (डीईओ) कार्यालय ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद रक्षा संपदा अधिकारी विनीत कुमार ने गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) पब्लिक स्कूल को एक सप्ताह के भीतर परिसर खाली करने की सार्वजनिक सूचना (पब्लिक नोटिस) जारी कर दी है। इसके साथ ही कैंट के प्रतिष्ठित व्हीलर्स क्लब और रेस क्लब समेत कई अन्य स्कूलों पर भी डीईओ कार्यालय का कानूनी शिकंजा कस गया है। डीईओ कार्यालय द्वारा जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार बंगला

संख्या 227 (जीएलआर सर्वे नंबर 375) स्थित रक्षा भूमि पर अवैध निर्माण और अनाधिकृत उपयोग का यह मामला काफी पुराना है। इस संबंध में लोक परिसर (अनाधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम 1971 की धारा 5-बी(1) के तहत सर्वप्रथम 7 अक्तूबर 1994 को वैधानिक नोटिस जारी किया गया था। इस नोटिस के खिलाफ जिला न्यायालय मेरठ में वाद दायर किया गया था, जिसे अदालत ने 18 जुलाई 1995 को खारिज कर दिया था। इसके बाद मामले ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख किया, जहां से 26 मई 2010 को याचिका को पूरी तरह निरस्त कर दिया गया था। अब डीईओ ने पुनः वैधानिक प्रक्रिया अपनाते हुए सार्वजनिक सूचना जारी की है। यदि तय समय-सीमा के भीतर जीटीबी पब्लिक स्कूल प्रबंधन द्वारा परिसर खाली नहीं किया गया तो डीईओ कार्यालय स्कूल को सील करने की बड़ी तैयारी में जुटा है। व्हीलर्स क्लब और रेस क्लब भी डीईओ के निशाने पर रक्षा संपदा अधिकारी विनीत कुमार द्वारा रक्षा भूमि से अवैध कब्जे हटाने के अभियान के तहत कई अन्य बड़े संस्थान भी रडार पर हैं। डीईओ कार्यालय के सूत्रों के मुताबिक लगभग एक वर्ष पहले व्हीलर्स क्लब को भी अवैध निर्माण के मामले में नोटिस जारी किया गया था, जिसकी कानूनी प्रक्रिया वर्तमान में गतिमान है। वहीं बी-3 श्रेणी की भूमि पर संचालित हो रहे रेस क्लब को भी पीपी एक्ट के तहत नोटिस थमाया जा चुका है। कैंट के कई स्कूलों पर लटक रही है कानूनी तलवार रक्षा भूमि के अनाधिकृत उपयोग को लेकर डीईओ कार्यालय की यह कार्रवाई केवल एक स्कूल तक सीमित नहीं है। इससे पहले करीब एक साल पहले भी कैंट के ही एक अन्य प्रतिष्ठित स्कूल को नोटिस जारी किया गया था। डीईओ कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार मेरठ छावनी क्षेत्र में चल रहे ऐसे विभिन्न स्कूलों को बहुत पहले ही नोटिस दिए जा चुके हैं और वर्तमान में अलग-अलग स्तरों पर उनकी सुनवाई व विधिक प्रक्रिया जारी है।

शादी के लिए रखे 20 लाख के गहने ले उड़े चोर, दीवार तोड़कर वारदात; सोते रह गए घरवाले, अपनों पर शक

कानपुर (एजेंसी) गुजैनी थाना क्षेत्र अंतर्गत फतेहपुर गांव में देर रात चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। चोर घर की दीवार काटकर अंदर घुस गए और करीब 20 लाख रुपये के जेवरात तथा 70 हजार रुपये नकद चोरी कर फरार हो गए। गुजैनी थाना क्षेत्र स्थित फतेहपुर गांव में चोरों ने दुस्साहस दिखाते हुए एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। चोरों ने एक घर की दीवार काटकर अंदर प्रवेश किया और करीब 20 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और 70 हजार रुपये की नकदी पर हाथ साफ कर दिया। सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि जिस वक्त चोर घर खंगाल रहे थे, पूरा परिवार अंदर सोता रहा और किसी को कानो-कान खबर तक नहीं हुई। वारदात देर रात की है। पीड़ित परिवार के अनुसार, चोरों ने घर के मुख्य गेट के पास बनी दीवार को काटकर अंदर घुसने का रास्ता बनाया। शातिर चोरों ने यह सुनिश्चित किया कि बाहर सो रहे किसी सदस्य को भनक न लगे, इसके लिए उन्होंने घर के मुख्य दरवाजे को अंदर से लॉक कर दिया। अंदर घुसने के बाद चोरों ने कमरों को खंगाला और

वहां रखे कीमती जेवरात व 70 हजार रुपये नकद समेट लिए। बताया जा रहा है कि घर में एक रिश्तेदार की शादी के कारण काफी जेवर रखे हुए थे, जिन्हें चोर आसानी से ले जाने में कामयाब रहे। घटना का पता शुक्रवार सुबह चला जब परिवार के सदस्य सोकर उठे। घर का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद होने के कारण परिजन बाहर नहीं निकल पा रहे थे। इसके बाद पड़ोसियों की मदद ली गई। छत पर सो रहे संजय सिंह जब नीचे आए और दरवाजा खोला, तो अंदर का नजारा देखकर सबके होश उड़ गए। अलमारियों का ताला टूटा था, सामान पूरे कमरे में बिखरा पड़ा था और गहनों के डिब्बे खाली थे। घर के सदस्य सज्जन सिंह टोल प्लाजा पर एक्सीडेंटल सहायता का कार्य करते हैं। घर में उनकी पत्नी पुष्पा, बेटी मीनाक्षी और अन्य सदस्य मौजूद थे। परिजनों ने बताया कि हाल ही में रिश्तेदार शिल्पी सिंह की शादी के चलते घर में भारी मात्रा में जेवर इकट्ठा किए गए थे। चोरों ने ठीक उसी जगह को निशाना बनाया जहां ये जेवर रखे थे। किसी करीबी पर शकः पुलिस की जांच तेज जिस सफाई से चोरों ने दीवार काटी और सीधे जेवरों तक पहुंचे, उससे पुलिस को अंदेशा है कि इस वारदात में किसी 'भेदी' का हाथ हो सकता है। पुलिस को शक है कि कोई ऐसा व्यक्ति इस चोरी में शामिल है

जूते-चप्पल के गोदाम में भीषण आग, ऊपर की मंजिल में फंस गया था परिवार, सीढ़ी लगाकर बमुश्किल बचाया

मुरादाबाद (एजेंसी) अमरोहा के बिजनौर रोड स्थित जूते-चप्पल के गोदाम में भीषण आग लग गई। आग तेजी से फैलने से गोदाम में रखा पूरा सामान जलकर राख हो गया। गोदाम के ऊपर बने मकान में फंसे परिवार को स्थानीय लोगों ने सीढ़ी लगाकर सुरक्षित बाहर निकाला गया। अमरोहा के बिजनौर रोड स्थित नई बस्ती मोहल्ले में शुक्रवार दोपहर जूते-चप्पल के एक गोदाम में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरा गोदाम उसकी चपेट में आ गया। हादसे के दौरान गोदाम के ऊपर बने मकान में फंसे परिवार को स्थानीय लोगों ने सीढ़ी लगाकर सुरक्षित बाहर निकाला। हाजी वसीम अहमद का बिजनौर रोड पर जूते-चप्पल का गोदाम है। भवन के प्रथम तल पर गोदाम संचालित होता है, जबकि दूसरे तल पर परिवार रहता है। शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे संदिग्ध परिस्थितियों में गोदाम में आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और धुएं का गुबार आसमान में फैल गया। गोदाम से उठती आग की लपटें और धुआं ऊपर रहने वाले परिवार तक पहुंच गया, जिससे परिवार के सदस्य अंदर ही फंस गए। पत्नी और बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और सीढ़ी

लगाकर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। आग की सूचना मिलने पर आसपास के मकानों को भी एहतियातन खाली करा लिया गया। करीब आधे घंटे बाद दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। सीओ अभिषेक यादव, नगर कोतवाली पुलिस और स्थानीय लोग भी दमकल कर्मियों के साथ आग पर काबू पाने में जुटे रहे। घटना के दौरान बिजनौर रोड पर लंबा जाम लग गया। आग से गोदाम में रखा सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। आज को बुझाने का प्रयास लगातार जारी है।

फ्लड जोन में श्री काशी विश्वनाथ धाम, चौबेपुर का टोल प्लाजा, मिर्जापुर डीएम कार्यालय; जानें खास

वाराणसी (एजेंसी) यूपी के वाराणसी, भदोही, मिर्जापुर, गाजीपुर, चंदौली होकर बलिया तक गंगा किनारे चिन्हांकन किया गया। बलिया के ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे के पास भी फ्लड जोन का पिलर लगा है। एनजीटी ने हरिद्वार से बलिया तक गंगा व सहायक नदियों के किनारे फ्लड जोन घोषित किया है। वाराणसी में गंगा किनारे 363 पिलर व 68 साइनेज बोर्ड लग रहे हैं। हरिद्वार से बलिया तक गंगा और उसकी सहायक नदियों के आसपास पहली बार फ्लड जोन घोषित किया गया है। फ्लड जोन में श्री काशी विश्वनाथ धाम, चौबेपुर का टोल प्लाजा और पड़ोसी जिले मिर्जापुर का जिलाधिकारी कार्यालय भी है। मां विंध्यवासिनी धाम से जुड़े क्षेत्र और बलिया में ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे का कुछ हिस्सा भी फ्लड जोन के दायरे में है। चंदौली, गाजीपुर और बलिया में पिलर लग गए हैं। 2262 पिलर लगाने पर दो करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए जा रहे हैं। वाराणसी में गंगा किनारे 363 पिलर और 68 साइनेज बोर्ड लगने हैं। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की पहल पर हरिद्वार से बलिया तक सुव्यवस्थित फ्लड जोन (बाढ़ क्षेत्र) तय किए गए हैं। उत्तर प्रदेश में सिंचाई विभाग को गंगा किनारे वाले जिलों के फ्लड जोन में पिलर और साइनेज बोर्ड लगाने की जिम्मेदारी मिली है। गंगा के बाढ़ क्षेत्र में आने वाले 200-250 मीटर की दूरी पर कंक्रीट के पिलर, एक किलोमीटर में साइनेज बोर्ड लगाए जा रहे हैं। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता सुरेश चंद्र आजाद ने बताया कि वाराणसी, गाजीपुर, चंदौली, बलिया, मिर्जापुर और भदोही के तय फ्लड जोन में 2262 पिलर और 279 साइन बोर्ड लगने हैं। बलिया, गाजीपुर, चंदौली में फ्लड जोन तय करने का काम पूरा हो गया है। वाराणसी में 20 फीसदी काम ही बचा है। मिर्जापुर और भदोही में काम चल रहा है। घाटों किनारे पिलर लगाना बना चुनौती, आठ क्विंटल का है पिलर वाराणसी में गंगा घाटों पर पिलर लगाना सिंचाई विभाग के लिए चुनौती बना है। कारण, इन इलाकों में पिलर ले जाना मुश्किल है क्योंकि एक पिलर आठ क्विंटल का है। इसे गलियों से घाटों तक ले जाना मुश्किल है। अधिशासी अभियंता ने बताया कि घाट क्षेत्र में पिलर लगाने की व्यवस्था की जा रही है। नाव के जरिये निर्माण सामग्री ले जाई जाएगी। जहां पिलर लगने होंगे वहीं ढलाई की व्यवस्था की जाएगी। बाढ़ से जान-माल के नुकसान होंगे कम एनजीटी का तर्क है कि जिलास्तर पर फ्लड जोन तय होने से आपसी विवादों में कमी

आएगी। एनजीटी के तय फ्लड जोन से बाढ़ से होने वाले जान-माल के नुकसान कम हो जाएगी। भूजल रिचार्ज, बाढ़ और भारी बारिश से पानी रिहायशी इलाकों में नहीं घुसेगा। नदी की प्राकृतिक एवं उसके किनारे की जैव विविधता को बचाने में मदद मिलेगी। वरुणा-असि को भी फ्लड जोन में करने की तैयारी गंगा की सहायक वरुणा और असि नदी का भी सर्वे चल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प ने सीरियाई राष्ट्रपति को फिर अपना परफ्यूम भेजा, कहा-पुराना वाला खत्म हो गया होगा

वाशिंगटन, एजेंसी। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने खुलासा किया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें अपने ब्रांडेड 'विक्ट्रोइ' कोलोन की नई बोतलें भेजी हैं। ट्रम्प ने मजाकिया अंदाज में कहा कि शायद पिछली बार दी गई खुशबू खत्म हो गई होगी। अल-शरा ने सोशल मीडिया पर दो कोलोन बोतलों की तस्वीर साझा की। इसके साथ ट्रम्प का एक संदेश भी था, जिसमें लिखा था, 'हमारी तस्वीर की काफी चर्चा हो रही है, जब मैंने तुम्हें यह शानदार कोलोन दिया था। अगर तुम्हारे पास खत्म हो गया हो तो ये रही नई बोतलें। ' सीरियाई राष्ट्रपति ने पोस्ट में ट्रम्प को धन्यवाद देते हुए लिखा कि कुछ मुलाकातें गहरी छाप छोड़ जाती हैं और वह उम्मीद करते हैं कि उस मुलाकात की भावना सीरिया और अमेरिका के रिश्तों को और मजबूत करेगी। पिछले साल नवंबर में दोनों नेताओं की मुलाकात का वीडियो भी काफी चर्चा में रहा था। वीडियो में ट्रम्प अल-शरा पर अपना ब्रांडेड कोलोन स्प्रे करते दिखाई दिए थे और बाद में उन्हें वह गिफ्ट कर दिया था। इसी दौरान ट्रम्प ने मजाकिया अंदाज में अल-शरा से पूछा था कि उनकी कितनी पत्नियां हैं। अल-शरा ने हंसते हुए जवाब दिया था कि उनकी सिर्फ एक पत्नी है। इसके बाद ट्रम्प ने मजाक में उनके कंधे पर थपकी दी थी।

जो मैं कहूंगा, वही करेंगे नेतन्याहू; ट्रंप का बड़ा दावा-दो साल बाद इजरायल में लड़ूंगा प्रधानमंत्री चुनाव, 99% मेरी रेटिंग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को फिर एक ऐसा दावा किया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय जगत में हलचल पैदा हो गई है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने दावा किया कि इजरायल में उनकी लोकप्रियता 99 प्रतिशत है और मजाकिया अंदाज में कहा कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद का कार्यकाल पूरा होने के बाद (2028 में) वह वहां प्रधानमंत्री पद का चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें एक ताज़ा सर्वेक्षण में बेहद ऊंची रेटिंग मिली है। उन्होंने कहा, 'तो शायद यह काम पूरा करने के बाद, मैं इजरायल जाऊंगा और प्रधानमंत्री पद का चुनाव लडूंगा। आज सुबह ही एक जनमत सर्वेक्षण आया है, जिसमें मेरी रेटिंग 99% है। जब पत्रकारों ने उनसे ईरान पर संभावित हमले के बारे में पूछा, तो ट्रंप ने कहा कि इस्लामिक गणराज्य के साथ किसी समझौते पर पहुंचने की उन्हें 'कोई जल्दी नहीं है।' उन्होंने कहा, 'हमें होर्मुज समुद्री मार्ग को खोलना होगा, वह तुरंत खुल जाएगा, इसलिए हम इसे एक मौका देंगे। मुझे कोई जल्दी नहीं है। हर कोई कह रहा है, 'ओह, मध्यावधि चुनाव आ रहे हैं।' आदर्श रूप से, मैं चाहूंगा कि कम से कम लोग मारे जाएं, न कि बहुत ज्यादा।' पत्रकार लगातार ट्रंप से पूछते रहे कि उन्होंने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से इस हमले के बारे में क्या कहा है? इस पर रिपब्लिकन नेता ने जवाब दिया, 'वह बहुत अच्छे इंसान हैं; वह वही करेंगे जो मैं उनसे करवाना चाहूंगा। और वह एक बेहतरीन व्यक्ति हैं... यह मत भूलिए कि वह युद्धकालीन प्रधानमंत्री रह चुके हैं।' उन्होंने यह दावा भी किया कि इजरायल में नेतन्याहू के साथ 'सही बर्ताव नहीं किया जाता है। ट्रंप ने कल ही ईरान को एक नई चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि 'एक और बड़ा हमला' हो सकता है।

पाकिस्तान में मारे गए 14 आतंकी, भीषण गोलीबारी में मुमताज इम्ती की भी हुई मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में बड़ी कार्रवाई की गई है। प्रतिद्वंद्वी सशस्त्र समूहों के बीच बुधवार को हुई झड़प में कम से कम 14 आतंकवादी मारे गए। इस खूनी झड़प में कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे मध्य कुर्रम जिले के मनातो कामरान इलाके में स्वयंभू आतंकी कमांडरों काजिम और मुमताज इम्ती नीत समूहों के बीच झड़पें हुईं। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी में मुमताज इम्ती भी मारा गया है। झड़प के बाद स्थानीय लोगों ने शवों को उसी इलाके में दफना दिया। मध्य कुर्रम में कई आतंकवादी गुटों की मौजूदगी की खबरों के बीच कई बार अभियान चलाए गए हैं। बता दें कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने मंगलवार को क्वेटा छावनी का दौरा किया था। जहां उन्होंने अशांत बलूचिस्तान प्रांत में तैनात टुकड़ियों के अधिकारियों और सैनिकों से बातचीत की थी। पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी बयान के मुताबिक, फील्ड मार्शल मुनीर ने अपने दौरे के दौरान क्वेटा स्थित कमांड एंड स्टाफ कॉलेज में छात्र अधिकारियों और संकाय सदस्यों को भी संबोधित किया था। मुनीर ने बलूचिस्तान में तैनात टुकड़ियों के अधिकारियों और सैनिकों से बातचीत की और मौजूदा सुरक्षा माहौल के पहलुओं पर जोर दिया। मुनीर ने दोहराया कि पाकिस्तानी सशस्त्र बल सभी तहत के आतंकवाद के उन्मूलन के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। मालूम हो कि पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा प्रांत काफी अशांत है।

बांग्लादेश ने तीस्ता और पद्मा बैराज प्रोजेक्ट का किया ऐलान, चीन से अरबों डॉलर की मांगी फंडिंग

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने अपनी जल समस्याओं को सुलझाने और कृषि को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री और बीएनपी चेयरमैन तारिक रहमान ने बुधवार को साफ कर दिया कि उनकी सरकार देश में बहुप्रतीक्षित पद्मा और तीस्ता बैराज प्रोजेक्ट्स पर जल्द ही काम शुरू करेगी। यह ऐलान ऐसे समय में हुआ है जब रहमान जल्द ही चीन के दौरे पर जाने वाले हैं। अब इस पूरे प्रोजेक्ट में चीन की बड़ी आर्थिक भूमिका होने की संभावना बन गई है।

गाजीपुर से किया बड़ा ऐलान : बुधवार दोपहर ढाका के पास गाजीपुर में 'राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान' की इमारत का शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए रहमान ने यह बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा, 'मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि यह बीएनपी सरकार पद्मा बैराज और तीस्ता बैराज दोनों का काम शुरू करेगी। बीएनपी ने तीस्ता मुद्दे को लेकर कई कार्यक्रम चलाए हैं। इसलिए, अगर किसी ने इस दिशा में वास्तव में काम किया है और जमीन तैयार की है, तो वह बीएनपी ही है। सरकार पहले ही उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों (खासकर राजशाही में पद्मा नदी पर) में पद्मा बैराज बनाने की मंजूरी दे चुकी है, और अब प्रधानमंत्री ने तीस्ता बैराज को भी आधिकारिक रूप से हरी झंडी दिखा दी है। चीन दौरे पर टिकी नजरें, अरबों डॉलर की डील संभव तीस्ता बैराज को लेकर की गई यह घोषणा बेहद रणनीतिक

मानी जा रही है। जून के अंत में प्रधानमंत्री रहमान चीन के दौरे पर जाने वाले हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि उनकी इस यात्रा के दौरान तीस्ता बैराज सहित कई अन्य अहम प्रोजेक्ट्स की फंडिंग को लेकर चीन के साथ विस्तार से बातचीत होगी। इस पूरे प्रोजेक्ट में अरबों डॉलर का निवेश शामिल होने का अनुमान है।

जल संकट और फरक्का बैराज पर क्या बोले रहमान : देश के जल संकट का जिक्र करते हुए रहमान ने कहा कि सूखे के मौसम में बांग्लादेश को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता। उन्होंने सीमाओं के पार बन रहे बैराजों और पानी मोड़े जाने की तरफ इशारा किया। रहमान ने दावा किया कि भारत के फरक्का बैराज की वजह से उनके दक्षिणी क्षेत्र में समुद्र का खारा पानी घुस रहा है। इसका सीधा असर सुंदरबन समेत कई इलाकों पर पड़ रहा है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा, 'खारापन बढ़ने से कई पेड़-पौधे नष्ट हो रहे हैं और जानवर विलुप्त होने की कगार पर हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'हमें यह बैराज बनाना ही होगा ताकि मॉनसून के अतिरिक्त पानी को जमा करके हम उसे सूखे के मौसम में अपने किसानों और आम लोगों को समय पर उपलब्ध करा सकें। भारत के साथ जल बंटवारा और अटका हुआ समझौता बांग्लादेश और भारत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे को लेकर लंबे समय से असहमति रही है। 1996 में दोनों देशों के बीच गंगा नदी के जल बंटवारे पर एक ऐतिहासिक संधि हुई थी, जिसकी मियाद इसी साल दिसंबर में खत्म हो रही है। अधिकारियों के मुताबिक, इस समझौते को रिन्यू करने के लिए दोनों पक्षों के बीच फिलहाल बातचीत चल रही है। वहीं, तीस्ता नदी के जल बंटवारे को लेकर अधिकारियों का कहना है कि दोनों देश इस समझौते पर सहमत तो हो गए थे, लेकिन पश्चिम बंगाल के विरोध के चलते इस पर अब तक हस्ताक्षर नहीं हो सके हैं। बताया गया कि पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस समझौते का विरोध किया था। रहमान के ऐलान और चीन की एंट्री से भारत पर इसका क्या असर होगा? बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान द्वारा तीस्ता बैराज प्रोजेक्ट के निर्माण का ऐलान और इसके लिए चीन से फंडिंग मांगने की तैयारी ने नई दिल्ली में रणनीतिक चिंताएं बढ़ा दी हैं। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने इसी महीने (मई 2026) बीजिंग में अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात कर इस करीब 1 अरब डॉलर के मेगा प्रोजेक्ट के लिए औपचारिक रूप से मदद मांगी है। भारत के लिए यह सिर्फ एक जल प्रबंधन परियोजना नहीं है, बल्कि यह उसके पड़ोस में राष्ट्रीय सुरक्षा और कूटनीतिक प्रभाव से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील मुद्दा है। भारत पर इसके संभावित असर को इन चार मुख्य बिंदुओं में समझा जा सकता है: 'चिकन नेक' (सिलीगुड़ी कॉरिडोर) की सुरक्षा पर सीधा खतरा भारत की सबसे बड़ी चिंता सुरक्षा को लेकर है। तीस्ता नदी का क्षेत्र भारत के रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) के बेहद करीब है। यह 60 किलोमीटर लंबा और 20 किलोमीटर चौड़ा संकरा रास्ता भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को शेष भारत से जोड़ता है। इस प्रोजेक्ट के बहाने नदी प्रबंधन, निर्माण और इंजीनियरिंग के नाम पर चीन की सरकारी कंपनियों (जैसे-पावर कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन ऑफ चाइना) और चीनी इंजीनियरों की इस इलाके में मौजूदगी भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा 'रेड फ्लैग' है। कूटनीतिक मोर्चे पर भारत के लिए बड़ा झटका यह कदम जल कूटनीति में भारत के लिए एक कड़े संदेश की तरह है।

'युद्ध नहीं, सम्मानजनक कूटनीति ही बेहतर रास्ता': ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियन

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को स्पष्ट संदेश दिया है कि उनका देश युद्ध के बजाय कूटनीति और संवाद को प्राथमिकता देता है। सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में उन्होंने कहा कि ईरान ने हमेशा अपने सभी दायित्वों का सम्मान किया है और युद्ध से बचने के लिए हर संभव रास्ता अपनाया है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी कूटनीतिक विकल्प अभी भी खुले हुए हैं।

दबाव से झुकाना भ्रम है-ईरान राष्ट्रपति : पेजेशकियन ने अपने संदेश में स्पष्ट किया कि किसी भी देश को बल या दबाव के जरिए झुकाने की कोशिश करना एक भ्रम है। उन्होंने कहा कि इस तरह की नीतियां लंबे समय में स्थायी समाधान नहीं दे सकतीं। उनके अनुसार, आपसी सम्मान के साथ की गई कूटनीति ही अधिक समझदारी भरा, सुरक्षित और स्थायी रास्ता है।

ईरान को ट्रंप की चेतावनी : रॉयटर्स ने ट्रंप के हवाले से कहा, सब कुछ खत्म हो गया है। उनकी नौसेना खत्म हो गई है। उनकी वायुसेना खत्म हो गई है। लगभग सब कुछ। अब बस एक ही सवाल है, क्या हम जाकर इसे खत्म कर दें? क्या वे किसी दस्तावेज पर दस्तखत करने वाले हैं? चलिए देखते हैं क्या होता है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि वह क्षेत्र में बड़े युद्ध की बजाय सीमित स्तर पर तनाव या हिंसा को बेहतर मानते हैं। उन्होंने कहा, आदर्श रूप से मैं यह देखना चाहूंगा कि बहुत ज्यादा लोगों की बजाय कम

लोगों की जान जाए। हम इसे किसी दूसरे तरीके से भी कर सकते हैं, लेकिन मैं कम नुकसान देखना चाहूंगा। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान में खराब आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों के कारण लोगों के बीच गुस्सा बढ़ रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान के साथ एक सीमित समझौते का मतलब लंबे समय के संघर्षविराम से है, जिसके तहत होर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत खोलना होगा। ट्रंप ने कहा कि हम इसे एक मौका देने जा रहे हैं। मुझे कोई जल्दबाजी नहीं है। उन्होंने मध्यवर्ती चुनावों के राजनीतिक दबाव को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि वे भारी तबाही के बजाय कम से कम जनहानि देखना चाहते हैं। उन्होंने ईरान की मौजूदा आंतरिक स्थिति पर कहा कि वहां की जनता बेहद खराब दौर से गुजर रही है और वहां सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश और अशांति का माहौल है। गौरतलब है कि अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर 28 फरवरी को हमला किया था। जवाब में ईरान ने इस्राइल और अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार मिसाइल हमले किए। ईरान ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा माने जाने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को ब्लॉक कर दिया, जिससे दुनिया में गंभीर ऊर्जा संकट पैदा हो गया है।

अमेरिका ने ईरान को कड़ा जवाब दिया है, जरूरत पड़ी तो और सख्ती करेंगे : ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूएस कोस्ट गार्ड अकादमी के दीक्षांत समारोह में छात्रों की तारीफ की। इस दौरान उन्होंने अपनी सरकार की इमिग्रेशन और आर्थिक नीतियों का बचाव किया और ईरान को लेकर नई चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि तेहरान को कभी परमाणु हथियार बनाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। बुधवार को कनेक्टिकट के न्यू लंदन में 2026 की ग्रेजुएटिंग क्लास को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस समय दुनिया का सबसे चर्चित और ताकतवर देश बन चुका है। उन्होंने कैडेट्स से कहा कि वे ऐसे समय में सेवा में शामिल हो रहे हैं, जब अमेरिका फिर से मजबूत स्थिति में है। ट्रंप ने कहा, 'हम ईरान को परमाणु हथियार नहीं रखने देंगे। बात बिल्कुल साफ है। उनके पास न्यूक्लियर वेपन नहीं होगा और वे समझौता करने के लिए बहुत बेचैन हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका ने उन्हें काफी कड़ा जवाब दिया है और जरूरत पड़ी तो इससे भी ज्यादा सख्ती की जा सकती है। राष्ट्रपति ने अपने भाषण में कई बार कोस्ट गार्ड के हाल के ऑपरेशनों का जि?क्र किया और उन्हें ईरान, ड्रग तस्करी और समुद्री सुरक्षा के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई से जोड़ा। उन्होंने कहा कि कोस्ट गार्ड की टैक्टिकल टीमों ने ईरान से जुड़े प्रतिबंधित तेल जहाजों को पकड़ने में मदद की। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' में कोस्ट गार्ड की अहम भूमिका रही, ताकि ईरानी शासन कभी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। ट्रंप ने समुद्री कार्रवाई और ड्रग्स के खिलाफ अभियानों का भी ज?क्र किया। उन्होंने कहा कि उनके दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद से कोस्ट गार्ड ने घातक नशीली दवाओं की 20.6 करोड़ से ज्यादा खुराक जब्त की हैं। उन्होंने इसे समुद्र में बनी 'स्टील की दीवार' का अहम हिस्सा बताया। भाषण के दौरान ट्रंप ने राजनीति पर भी खुलकर बात की। उन्होंने पिछली सरकार की सीमा सुरक्षा नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिका इतिहास की सबसे खराब सीमा स्थिति से निकलकर अब सबसे मजबूत बॉर्डर तक पहुंच गया है।

कौन बनेगा अमेरिका का अगला राष्ट्रपति? जेडी वेंस और मार्को रुबियो में ट्रंप की पसंद कौन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उत्तराधिकारी और साल 2028 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार को लेकर अंदरूनी राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। वाइट हाउस का प्रेस ब्रीफिंग रूम इन दिनों इस आगामी मुकाबले के लिए एक अनौपचारिक ऑडिशन स्टेज में तब्दील हो चुका है। दो हफ्ते पहले विदेश मंत्री मार्को रुबियो के पोडियम संभालने के बाद अब उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस भी मीडिया के सामने मोर्चा संभालते नजर आते हैं। वाइट हाउस की नियमित प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट के मैटरनिटी लीव पर होने के कारण दोनों बड़े नेताओं को बैक-टू-बैक प्रेस ब्रीफिंग की जिम्मेदारी दी गई, जिसे विशेषज्ञ 2028 की दावेदारी के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देख रहे हैं। मंगलवार को उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

ने लगभग एक घंटे तक पत्रकारों के तीखे और उलझाते सवालों का सामना किया। इस दौरान पत्रकारों के एक साथ चिल्लाने और सवाल पूछने की होड़ पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'मार्को रुबियो बिल्कुल सही कह रहे थे, यह जगह वाकई किसी अराजकता से कम नहीं है।' वेंस ने पत्रकारों के बैठने की व्यवस्था पर भी हल्के-फुल्के अंदाज में मजाक किया। हालांकि, नीतिगत सवालों के जवाब देते समय उनका लहजा काफी नपा-तुला और संयत था। यह राष्ट्रपति ट्रंप की सीधी और आक्रामक शैली से अलग छाप छोड़ रहा था। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जेडी वेंस ने ट्रंप प्रशासन की नीतियों का पुरजोर समर्थन किया। वेंस ने ईरान के खिलाफ उठाए गए कदमों को सही ठहराते हुए प्रशासन के फैसले का बचाव किया। वहीं, राजनीतिक उत्पीड़न के शिकार होने का दावा करने वाले ट्रंप के सहयोगियों को मुआवजा देने के लिए बनाए गए नए 1.7 अरब डॉलर के फंड को उन्होंने जायज ठहराया। ब्रीफिंग के दौरान जब एक पत्रकार ने वेंस को संभावित भावी उम्मीदवार कहकर संबोधित किया, तो वेंस ने तुरंत स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा, 'मैं कोई संभावित भावी उम्मीदवार नहीं हूं। मैं अभी देश का उपराष्ट्रपति हूं। मुझे अपना काम बेहद पसंद है और मैं इस जिम्मेदारी को जितनी अच्छी तरह से हो सके इसे निभाने की कोशिश कर रहा हूं।

वेंस या रुबियो, ट्रंप के मन में क्या है : भले ही जेडी वेंस और मार्को रुबियो दोनों ही 2028 की अपनी राष्ट्रपति बनने की महत्वाकांक्षाओं को सार्वजनिक रूप से तवज्जो नहीं दे रहे हैं, लेकिन खुद डोनाल्ड ट्रंप इस रेस को हवा देने में पीछे नहीं हैं। पिछले हफ्ते वाइट हाउस के रोज गार्डन में आयोजित एक डिनर के दौरान ट्रंप ने मेहमानों का मूड भांपने के लिए पूछा, 'जेडी वेंस किसे पसंद हैं? और मार्को रुबियो किसे पसंद हैं?' दोनों ही नामों पर मेहमानों ने लगभग बराबर उत्साह के साथ तालियां बजाईं। ट्रंप ने कहा कि अगर ये दोनों नेता एक साथ चुनावी मैदान में उतरें तो यह एक परफेक्ट टिकट होगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अभी किसी एक को आधिकारिक समर्थन देना बहुत जल्दबाजी होगी।

ट्रंप की नीतियों के खिलाफ चीन-रूस मुखर, कहा-दुनिया बहुध्रुवीय हो रही है; गोल्डन डोम की भी निंदा

बीजिंग, एजेंसी। चीन-रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वर्चस्ववादी नीतियों की कड़ी निंदा की है। बुधवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की शिखर वार्ता के बाद जारी साझा बयान में दोनों देशों ने खुद को बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था यानी ऐसी दुनिया के समर्थक के रूप में पेश किया, जहां किसी एक देश का दबदबा न हो। चिनपिंग ने बिना अमेरिका का नाम लिए कहा कि दुनिया में एकाधिकार और वर्चस्ववादी प्रवृत्तियां बढ़ रही हैं। दोनों देशों को मिलकर एकतरफा दादागिरी का विरोध करना चाहिए और अधिक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की रक्षा करनी चाहिए। चीनी समकक्ष की इस बात को पुतिन ने रूस-चीन संबंधों के लिए अभूतपूर्व बताया। साथ ही कहा कि एक बहुकेंद्रित दुनिया बनाने की जटिल प्रक्रिया आकार ले रही है और रूस-चीन साझेदारी अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थिरता का बड़ा आधार है। पुतिन-जिनपिंग ने बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था बनाने पर एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

बीजिंग में पुतिन के ग्रेट हाल ऑफ द पीपल में औपचारिक स्वागत के बाद उन्होंने कहा कि एकतरफा सैन्य कार्रवाई और लंबे समय तक चलने वाला युद्ध दुनिया को ऐसे दौर में ले जा सकता है, जहां अंतरराष्ट्रीय नियम कमजोर पड़ जाएं। ऐसे में लड़ाई रोकना बेहद जरूरी है। वहीं, पुतिन ने कहा, रूस और चीन संप्रभुता और राष्ट्रीय एकता जैसे मुख्य हितों की रक्षा के लिए साथ काम करेंगे। मॉस्को और बीजिंग के बीच करीबी रणनीतिक संबंध वैश्विक स्थिरता में अहम भूमिका निभा रहे हैं। दोनों देशों ने रणनीतिक सहयोग मजबूत करने और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के समर्थन में संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों ने संयुक्त घोषणापत्र में आधिकारिक तौर पर एकतरफा राजनीतिक प्रभुत्व का विरोध करने का संकल्प लिया और पश्चिमी रणनीतिक, रक्षा और सुरक्षा रियोजनाओं की कड़ी आलोचना की। नेताओं ने स्थानीय मुद्राओं में व्यापार का समर्थन किया। इसमें कहा गया है कि सभी द्विपक्षीय निर्यात-आयात अब अपनी अर्थव्यवस्थाओं को पश्चिमी वित्तीय प्रतिबंधों से बचाने के लिए सीधे रूबल और युआन में किए जाएं। पुतिन-जिनपिंग ने बहुध्रुवीय दुनिया की वास्तविकताओं को दिखाने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के संशोधन करने पर जोर दिया है। संयुक्त घोषणापत्र ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे गैर-पश्चिमी मंचों के जरिए वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देता है। रूस ने चीन को बिना रुकावट ऊर्जा आपूर्ति का वादा किया है, जबकि दोनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय शिपिंग में एकतरफा हस्तक्षेप की निंदा की और समुद्री बुनियादी ढांचे को राजनीतिकरण से मुक्त रखने की अपील की।

क्यूबा पर बढ़ते तनाव के बीच कैरेबियन सागर पहुंचा यूएसएस निमित्ज, अमेरिका ने बढ़ाई सैन्य मौजूदगी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और क्यूबा के बीच बढ़ते तनाव ने अब सैन्य मोर्चे पर भी हलचल बढ़ा दी है। अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस निमित्ज अपने स्ट्राइक ग्रुप के साथ कैरेबियन सागर में पहुंच गया है। यह जानकारी 'द हिल' की एक रिपोर्ट में सामने आई है। यह तैनाती ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा के प्रति अपनी बयानबाजी तेज कर दी है और इस द्वीपीय राष्ट्र के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, इस तैनाती का उद्देश्य क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को मजबूत करना है।

क्या है यूएसएस निमित्ज स्ट्राइक ग्रुप में खास : अमेरिकी नौसेना के इस शक्तिशाली स्ट्राइक ग्रुप में एफ/ए-18ई सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान, ईए-18जी ग्रोवलर इलेक्ट्रॉनिक युद्धक विमान और सी-2 ग्रेहाउंड सपोर्ट एयरक्राफ्ट शामिल हैं। इसके साथ यूएसएस ग्रिडली विध्वंसक युद्धपोत और स्ह्रस पटक्सेंट ईंधन आपूर्ति पोत भी मौजूद हैं। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यूएसएस निमित्ज ने ताइवान जलडमरूमध्य से लेकर अरब की खाड़ी तक, स्थिरता सुनिश्चित करते हुए और लोकतंत्र की रक्षा करते हुए दुनिया भर में अपनी युद्ध क्षमता साबित की है।

1975 में कमीशन किए गए इस एयरक्राफ्ट कैरियर ने हाल ही में रियो डी जनेरियो के तट पर ब्राजील की नौसेना के साथ संयुक्त नौसैनिक अभ्यास में भाग लिया था। यह जानकारी ब्राजील में अमेरिकी दूतावास द्वारा दी गई थी।

ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा पर बढ़ाया दबाव : रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ने हाल के दिनों में क्यूबा के खिलाफ अपना रुख और सख्त कर लिया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर 1996 में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में दो नागरिक विमानों को गिराने से संबंधित हत्या और अन्य अपराधों के औपचारिक आरोप लगाए थे, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। ट्रंप ने इसे क्यूबा-अमेरिकी समुदाय के लिए बड़ा क्षण बताया। ट्रंप ने कहा 'यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह न केवल क्यूबा अमेरिकियों के लिए, बल्कि क्यूबा से आए उन लोगों के लिए भी एक बहुत बड़ा क्षण था, जो क्यूबा वापस जाना चाहते हैं, क्यूबा में अपने परिवार से मिलना चाहते हैं।' अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्यूबा की जनता के नाम स्पेनिश भाषा में संदेश जारी किया। उन्होंने क्यूबा की कम्युनिस्ट सरकार को बिजली संकट और आर्थिक समस्याओं के लिए जिम्मेदार ठहराया। रुबियो ने अमेरिका की ईंधन नाकेबंदी नीति का भी समर्थन किया। सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने हाल ही में क्यूबा अधिकारियों से मुलाकात की थी। उन्होंने साफ कहा कि बातचीत की संभावना हमेशा खुली नहीं रहेगी।

पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर अमेरिका ने दर्ज किया आपराधिक मामला, ट्रंप बोले- हम क्यूबा को आजाद करा रहे

मियामी , एजेंसी। अमेरिका के संघीय अभियोजकों ने बुधवार को क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की घोषणा की। राउल कास्त्रो पर 1996 में मियामी स्थित निर्वासित समूह के नागरिक विमानों को मार गिराने के मामले में आपराधिक आरोपों की घोषणा की गई। यह मामला 'ब्रदर्स टू द रेस्क्यू' नामक समूह द्वारा संचालित दो छोटे विमानों को गिराए जाने से जुड़ा है। उस समय राउल कास्त्रो क्यूबा के रक्षा मंत्री थे। उन पर हत्या और विमान नष्ट करने सहित कई आरोप लगाए गए हैं। कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश और न्याय विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने मियामी में आयोजित एक कार्यक्रम में इस मामले की घोषणा की। यह कार्यक्रम विमान हादसे में मारे गए लोगों की स्मृति में आयोजित किया गया था।

मुकदमे पर क्या बोले ट्रंप : कास्त्रो पर अभियोग के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'मियामी की क्यूबा भाषी आबादी और निश्चित रूप से मियामी से परे भी अटॉर्नी जनरल ने आज जो किया उसकी सराहना करते हैं। क्यूबा हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है।' वहीं, क्यूबा में तनाव बढ़ने की आशंका पर ट्रंप ने कहा, 'नहीं। तनाव नहीं बढ़ेगा। उन्होंने वास्तव में क्यूबा पर अपना नियंत्रण खो दिया है।' ट्रंप ने कहा कि अमेरिका क्यूबा को आजाद कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में पूर्व क्यूबा के राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के अभियोग के बाद क्यूबा के लोगों की मदद करेगा। ट्रंप ने कहा कि द्वीप राष्ट्र में सीआईए की उपस्थिति और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की क्यूबा से जुड़ी जड़ों के कारण अमेरिका को क्यूबा के बारे में महत्वपूर्ण विशेषज्ञता प्राप्त है।

क्यूबा के राष्ट्रपति ने ट्रंप पर साधा निशाना : क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल बर्मुडेज ने अभियोग की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह

केवल क्यूबा क्रांति के अडिग संकल्प के प्रति अमेरिका के अहंकार और हताशा को उजागर करता है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, 'यह एक राजनीतिक पैंतरा है, जिसका कोई कानूनी आधार नहीं है। इसका एकमात्र उद्देश्य उस मनगढ़ंत दस्तावेज को पुख्ता करना है जिसका उपयोग वे क्यूबा के खिलाफ सैन्य आक्रमण की मूर्खता को उचित ठहराने के लिए करते हैं।' गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से क्यूबा पर दबाव बढ़ाने की बात कर रहे हैं। अमेरिकी प्रशासन ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद क्यूबा के खिलाफ ईंधन आपूर्ति रोकने सहित कई कदम उठाए थे, जिससे वहां बिजली संकट और आर्थिक दबाव बढ़ा।

क्यूबा और अमेरिका के बीच वार-पलटवार जारी : अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्यूबा की जनता से नई नेतृत्व व्यवस्था और मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था की मांग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अमेरिका क्यूबा के साथ संबंधों में नया अध्याय शुरू करने के लिए तैयार है। वहीं, क्यूबा के उप विदेश मंत्री कार्लोस एफ डी कोसियो ने मार्को रुबियो के बयान पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि वह क्यूबा के बारे में बार-बार गलत दावे कर रहे हैं और देश के लोगों के खिलाफ आक्रामक नीतियों को सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि राउल कास्त्रो के अमेरिका की हिरासत में आने की संभावना फिलहाल नहीं दिखती। उन्होंने 2006 में अपने भाई फिदेल कास्त्रो से सत्ता संभाली थी और 2018 में सत्ता हस्तांतरित कर दी थी। हालांकि, 2021 में कम्युनिस्ट पार्टी प्रमुख पद छोड़ने के बाद भी उन्हें पर्दे के पीछे प्रभावशाली माना जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, 1995 से 'ब्रदर्स टू द रेस्क्यू' समूह के विमान हवाना के ऊपर उड़ान भरकर क्यूबा सरकार के खिलाफ पर्चे गिराते थे। क्यूबा ने अमेरिकी सरकार से इस पर आपत्ति जताई थी और चेतावनी दी थी कि वह अपने हवाई क्षेत्र की रक्षा करेगा। 24 फरवरी 1996 को रूसी निर्मित मिग-29 लड़ाकू विमानों ने हवाना के उत्तर में क्यूबा के हवाई क्षेत्र के पास दो निहत्थे सेसना विमानों को मार गिराया था। इस घटना में विमान में सवार चार लोगों की मौत हो गई थी। पूर्व संघीय अभियोजक गाय लुईस ने कहा कि जांच के दौरान क्यूबा के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े संबंधों के प्रमाण मिले थे।

Sig1 SideB 05/25/2026 11:35:10 Swastika Creation 3292.job Process Blackata

नारनौल में पारदी गैंग का एनकाउंटर : सात बदमाश पकड़े गए, दो घायल

-पकड़े गए सभी आरोपी मध्यप्रदेश के निवासी

गुरुग्राम (एजेंसी)। नारनौल में सीआईए (क्राइम इंस्टिगेशन एजेंसी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय पारदी गैंग के सात शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। हुड्डा सेक्टर के पास हुई साहसिक मुठभेड़ में पुलिस की जवाबी फायरिंग में दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी, इसके बाद उन्हें इलाज के लिए महेंद्रगढ़ अस्पताल में भर्ती किया गया। यह पखवाड़े भर में हुई एनकाउंटर की दूसरी घटना है, जो एसपी के बदमाशों के खिलाफ सख्त एक्शन को दर्शाती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब सवा तीन बजे सीआईए को सूचना मिली थी कि यह गैंग नारनौल में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने वाली है। खुद को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी नियंत्रित फायरिंग की। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी मध्य प्रदेश निवासी हैं। इनमें से एक पर 15,000 रुपये और दूसरे पर 5,000 रुपये का इनाम घोषित था। करीब एक पखवाड़े पहले यही गैंग भिवानी और महेंद्रगढ़ में रात के समय रेकी करते हुए सीसीटीवी कैमरों में कैद हुआ था। पुलिस को अंदेशा है कि इस गैंग के पकड़े जाने से कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के घर पर हुए हमले की वारदात का भी खुलासा हो सकता है। पुलिस ने मौके से एक स्वचालित पिस्तौल, देसी कट्टा, कारतूस, वारदात में इस्तेमाल होने वाली गुलेलें, सरिया और वायर कटर भी बरामद किए हैं। पुलिस फिलहाल बदमाशों से गहन पूछताछ कर रही है।

पश्चिम बंगाल : टीएमसी नेताओं पर कार्रवाई तेज, वासूल गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव के बाद से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से जुड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में, टीएमसी मजदूर संघ इकाई के अध्यक्ष शेख वासूल को लोगों को डराने-धमकाने, धोखाधड़ी करने और चुनाव से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने के आरोपों में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दुर्गापुर-फरीदपुर ब्लॉक के लाउदोहा इलाके से देर रात छापा मारकर शेख वासूल को पकड़ा। सूत्रों के अनुसार, टीएमसी नेता वासूल पर नौकरी दिलाने के झूठे वादे करके लोगों से मोटी रकम वसूलने और इलाके में अपना दबदबा बनने के लिए भय का माहौल पैदा करने का आरोप है। सूत्रों ने दावा किया कि उस पर विधानसभा चुनाव से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने का दबाव बनाने के आरोप भी हैं, जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ा था। गिरफ्तारी के वक्त वासूल ने खुद को निर्दोष बताकर कहा कि वह 15 साल से पार्टी में है और उसके खिलाफ पहले कभी कोई शिकायत नहीं हुई। बताया जाता है कि उसके खिलाफ लंबे समय से कई शिकायतें दर्ज थीं। शुक्रवार सुबह वासूल को दुर्गापुर उपमंडल न्यायालय में पेश किया गया। यह कार्रवाई तब हुई है, जब राज्य में राजनीतिक बदलाव के बाद से टीएमसी नेताओं पर केंद्रीय एजेंसियों की पकड़ मज़बूत हुई है। हाल ही में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री सुजीत बोस को नगर निगम भर्ती घोटाले के आरोप में गिरफ्तार किया था, जो हालिया बड़ी गिरफ्तारियों में से एक थी। ईडी सूत्रों के मुताबिक, बोस पर दक्षिण दमदम नगर पालिका के अंतर्गत विभिन्न पदों के लिए करीब 150 उम्मीदवारों की सिफारिश करने के बदले आर्थिक लाभ लेने का आरोप है। एजेंसी ने आरोप लगाया है कि उसने कथित तौर पर कई लोगों को नगर निगम में नौकरी दिलाने में मदद करने के बदले फ्लैटों के रूप में अपराध की आय अर्जित की थी। जांचकर्ताओं ने दावा किया है कि उनसे जुड़े बैंक खातों में बड़ी मात्रा में नकदी जमा है। बोस को इस मामले में पूछताछ के लिए ईडी के समक्ष पेश होने के कुछ ही घंटों बाद गिरफ्तार कर लिया गया था।

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती, पंजाब सरकार का बड़ा अभियान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। आवारा कुत्तों और पशुओं से बढ़ते खतरों पर सर्वोच्च न्यायालय की कड़ी टिप्पणी के बाद पंजाब सरकार हरकत में आई है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने घोषणा की है कि राज्य में बच्चों और राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कल से आवारा तथा खतरनाक कुत्तों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू होगा। मुख्यमंत्री मान ने इस फैसले के लिए सर्वोच्च न्यायालय का धन्यवाद भी किया है। सीएम मान के अनुसार, पंजाब सरकार सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन कर व्यापक कार्रवाई करेगी। इस घोषणा के साथ ही प्रशासनिक स्तर पर हलचल तेज हो गई है। संबंधित विभागों को तत्काल तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। शहरी क्षेत्रों में नगर निकाय, जबकि ग्रामीण इलाकों में पशुपालन तथा पंचायत विभाग मिलकर इस अभियान को अंजाम देगी। यह अभियान सड़कों, राजमार्गों, स्कूलों, अस्पतालों, खेल परिसरों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष रूप से केंद्रित रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया था कि इन क्षेत्रों से आवारा कुत्तों की मौजूदगी रोकना प्रशासन की सीधी जिम्मेदारी है। पकड़े गए पशुओं को निर्धारित आश्रय स्थलों में रखा जाएगा, जहाँ उनके लिए भोजन, पानी और चिकित्सा की पर्याप्त व्यवस्था होगी। शीर्ष अदालत ने संस्थानों को अपने परिसरों की मजबूत घेराबंदी करने, नोडल अधिकारी नियुक्त करने और कुत्तों की नसबंदी तथा टीकाकरण के बाद उन्हें दोबारा उन्हीं परिसरों में न छोड़कर निर्धारित डॉग शेल्टर में रखने का भी निर्देश दिया है। इसके अतिरिक्त, राजमार्गों पर दुर्घटनाओं को रोकने हेतु चौबीस घंटे गश्त करने वाली विशेष टीमें गठित करने और हेल्पलाइन नंबर वाले बोर्ड लगाने के आदेश दिए गए हैं। सभी अस्पतालों में एंटी रेबीज वैक्सीन का पर्याप्त भंडार रखने तथा स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम चलाने को कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने हर जिले में कम से कम एक पशु जन्म नियंत्रण केंद्र स्थापित करने पर भी जोर दिया है। अदालत ने चेतावनी दी है कि आदेशों के पालन में लापरवाही होने पर संबंधित अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

राहुल गांधी आज भी उसी बालक बुद्धि मानसिकता के साथ बर्ताव कर रहे

-केंद्रीय मंत्री ने कहा- वे अपने पद की प्रतिष्ठा, गरिमा को महसूस नहीं कर रहे

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि वे देश की सबसे पुरानी पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक होने और संसद में नेता प्रतिपक्ष जैसे संवैधानिक पद पर बैठने के बावजूद अपने पद की प्रतिष्ठा, गरिमा और उत्तरदायित्व को महसूस नहीं कर पा रहे हैं। शेखावत ने कटाक्ष किया कि बच्चा तो बड़ा हो गया, लेकिन बुद्धि अभी बच्चे जैसी ही बनी है। वे आज भी उसी बालक बुद्धि मानसिकता के साथ बर्ताव कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि आज पूरी वैश्विक व्यवस्था चरमराई हुई है। दुनिया एक टर्बुलेंट जियोपॉलिटिकल सिचुएशन से गुजर रही है। विश्व अब मल्टीपोलर हो चुका है। ऐसे संकट के समय में पूरी दुनिया भारत की तरफ देख रही है और हर देश भारत को अपना पार्टनर बनाने के लिए आतुर है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की यह बेहद सफल यात्रा देश के व्यापक हितों और भविष्य के विकसित भारत के निर्माण के दृष्टिकोण से ऐतिहासिक रही है। इस दौरान कटिंग एज टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर, डिफेंस इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग, नॉर्डिक देशों के साथ वॉटर टेक्नोलॉजी और नॉर्वे के साथ मोबिलिटी एग्रीमेंट जैसे बेहद अहम समझौते हुए हैं। वैश्विक ऊर्जा संकट के इस दौर में भारत के हितों के संरक्षण के लिए पीएम मोदी का यूनाइटेड अरब अमीरात का दौरा भी रणनीतिक रूप से बहुत अहम था।

शेखावत ने कहा कि दुर्भाग्य से उस बालक बुद्धि ने देश के व्यापक हितों से जुड़े इन गंभीर और ऐतिहासिक वैश्विक समझौतों को लेकर भी बचकानी टिप्पणियां कीं। गैर- जिम्मेदाराना बयानबाजी की और देश में एक फॉल्स नैरेटिव खड़ा करने की नाकाम कोशिश की। शेखावत ने पूर्व पीएम राजीव गांधी से जुड़ा एक उदाहरण सामने रखा। उन्होंने याद दिलाया कि जब तत्कालीन पीएम राजीव गांधी श्रीलंका के दौरे पर थे और गार्ड ऑफ ऑनर के समय उन पर हमला करने की कोशिश की गई थी, तब बीजेपी विपक्ष में थी और सदन में बीजेपी के 121 सांसद थे, जो कांग्रेस के मौजूदा 99 सांसदों की संख्या से कहीं बड़े थे। उन्होंने कहा कि विपक्ष में होने के बावजूद हमने उस हमले को किसी एक दल या नेता पर नहीं, बल्कि भारत की प्रतिष्ठा और संप्रभुता पर हमला माना था। बीजेपी ने पूरी ताकत के साथ तत्कालीन कांग्रेस सरकार का साथ दिया था और उसकी कड़ी निंदा की थी। भारत में यह परंपरा रही है कि पीएम जब भी देश से बाहर जाते हैं तो सभी दल देश के व्यापक हितों को सर्वोपरि रखते हैं और कभी उन पर आपत्तिजनक टिप्पणियां नहीं करते, लेकिन आज राहुल गांधी इस महान परंपरा को मटियामेट कर रहे हैं। शेखावत ने कहा कि देश की जनता अब उनके इस रवैये को अच्छी तरह समझ चुकी है। हाल में पांच राज्यों में हुए चुनावों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि देश की जनता ने चार राज्यों में कांग्रेस को नकार दिया है। उन्होंने तंज कसा कि राहुल गांधी की इसी बच्चा बुद्धि और कमजोर लीडरशिप के कारण कांग्रेस अब सिमटते-सिमटते दक्षिण में सिर्फ केरल और उत्तर में हिमाचल प्रदेश जैसे एक छोटे से राज्य तक ही सीमित रह गई है। शेखावत ने कहा कि जिस तरह की मानसिकता के साथ कांग्रेस की लीडरशिप काम कर रही है, अब तो बस इसी बात का इंतजार है कि जनता कब इन्हें राजनीतिक हाशिए से भी पूरी तरह खत्म कर देगी।

थिरुवनचूर राधाकृष्णन चुने गए केरल विधानसभा के स्पीकर, सभी दलों ने दी बधाई

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। सात बार के कांग्रेस विधायक थिरुवनचूर राधाकृष्णन को शुक्रवार को केरल विधानसभा का अध्यक्ष चुन लिया गया। यह चुनाव एक ऐतिहासिक त्रिकोणीय मुकाबले के बाद हुआ, जिसने राज्य में नए राजनीतिक समीकरणों को उजागर किया। केरल विधानसभा के स्पीकर पद के चुनाव में पहली बार ऐसा हुआ है कि सदन में प्रतिनिधित्व करने वाले तीनों राजनीतिक गठबंधनों ने अपने-अपने उम्मीदवार उतारे थे। सत्तारूढ़ यूडीएफ ने अनुभवी विधायक थिरुवनचूर राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया जबकि वाम मोर्चे ने पूर्व मंत्री एसी मोइदीन को मैदान में उतारा और एनडीए ने अपने तीन सदस्यीय दल के सदस्य बीबी गोपकुमार को प्रत्याशी बनाया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रोटेम स्पीकर जी सुधाकरण ने रिटर्निंग ऑफिसर की भूमिका निभाई और मतदान में हिस्सा नहीं लिया। कुल 139 विधायकों ने मतदान किया। परिणाम घोषित करते हुए उन्होंने बताया कि राधाकृष्णन को 101 वोट मिले, मोइदीन को 35 और गोपकुमार को 3 वोट मिले। घोषणा के बाद सदन में जोरदार मेज-थपथाई गई और दलों के सदस्य उन्हें बधाई देने आगे आए। एक प्रतीकात्मक और संसदीय परंपरा को दर्शाने वाले दृश्य में सीएमए वीडी सतीशन और विपक्ष के नेता पिनराई विजयन ने संयुक्त रूप से नए स्पीकर को उनकी कुर्सी तक पहुंचाया। सीएम सतीशन ने उन्हें विनम्र और परिपक्व व्यवहार वाला आदर्श नेता बताते हुए कहा कि वे पहले छात्र आंदोलन के दिनों में भी उनके लिए नारे लगाते थे। उन्होंने यह भी कहा कि राधाकृष्णन ने करीब 17 विभाग संभाले हैं और अपने क्षेत्र के विकास पर लगातार ध्यान दिया है। विजयन ने भी उनके लंबे संसदीय और सार्वजनिक जीवन के अनुभव की तारीफ की और विश्वास जताया कि वे अपनी नई जिम्मेदारी को प्रभावी ढंग से निभाएंगे।

दिल्ली में हर कहीं नहीं दे सकते कुर्बानी

-नहीं माने तो होगी सख्त कार्वाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। बकरीद के मद्देनजर दिल्ली के विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने पशु कल्याण संबंधी कानूनों का सख्ती से पालन करने के कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिल्ली की सड़कों, गलियों, बाजारों या किसी भी सार्वजनिक स्थान पर कुर्बानी देने और पशुओं की खरीद-बिक्री करने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। कुर्बानी केवल सरकार द्वारा निर्धारित वैध स्थलों पर ही की जा सकेगी। विकास मंत्री ने निर्देश जारी करते हुए कहा कि दिल्ली में गाय, बछड़े, ऊंट और अन्य प्रतिबंधित पशुओं की हत्या या कुर्बानी पर पूरी तरह रोक है।

यह पूरी तरह से गैर-कानूनी है और ऐसा करने वालों पर सीधे आपराधिक मुकदमा दर्ज किया जाएगा। नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए विकास मंत्री ने अवैध पशु परिवहन, अवैध कुर्बानी और पशु क्रूरता के मामलों में विशेष निगरानी रखने और कड़ी कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। सरकार ने साफ किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी और आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, स्वच्छता बनाए रखने के लिए भी सख्त हिदायत दी गई है। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि कुर्बानी के बाद कचरे को नालियों और सड़कों पर फेंकने या सीवर में वेस्ट और खून बहाने पर पूरी तरह रोक रहेगी। इससे गंदगी और बीमारियां फैलने का खतरा रहता है, इसलिए ऐसा करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सरकार ने आम जनता से भी इन नियमों का पालन करने की अपील की है। मंत्री ने कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति इन गाइडलाइंस का उल्लंघन करता हुआ पाया जाता है, तो नागरिक तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दें ताकि दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की जा सके।

भोजशाला को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर, आदेश के बाद पढ़ेंगे नमाज

-अब्दुल समद ने कहा- मुस्लिम समाज ने हमेशा सौहार्द और शांति का पालन किया

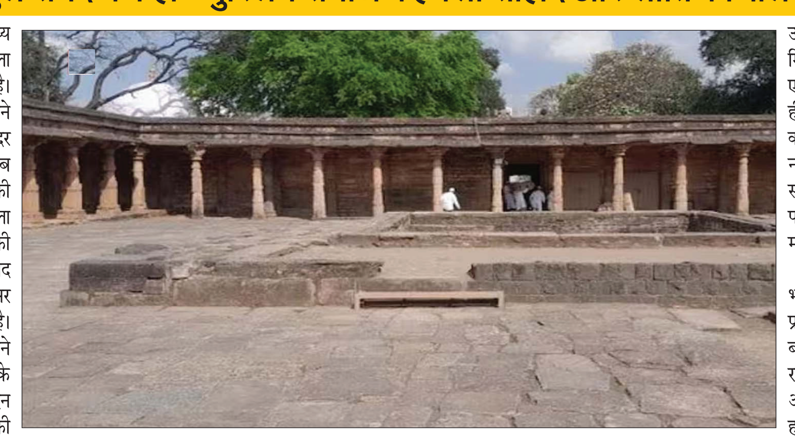

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित भोजशाला को लेकर बड़ा बदलाव सामने आया है। हाईकोर्ट ने 15 मई को दिए गए अपने फैसले में भोजशाला परिसर को मंदिर बताया है। वहीं, इस फैसले के बाद अब मुस्लिम समाज को यहां नमाज पढ़ने की परमिशन नहीं दी गई है। यह पहला शुक्रवार है जब भोजशाला में जुम्मे की नमाज नहीं होगी। इस फैसले के बाद सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए परिसर और आसपास पुलिस बल तैनात है। प्रशासन ने इलाके में शांति बनाए रखने के लिए कड़े इंतजाम उठाए हैं। कोर्ट के आदेश के मुताबिक शुक्रवार के दिन हिंदू समुदाय को पूजा-अर्चना की अनुमति दी गई है और वे पूरे दिन धार्मिक कार्यक्रम कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कमल मौलाना वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष अब्दुल समद ने कहा कि उनकी ओर से सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की गई है। उन्होंने बताया कि जो मुद्दा वे हाईकोर्ट में नहीं उठा सके, उसे अब सुप्रीम कोर्ट के जरिए रखा जाएगा। उनका कहना है कि वे यह साबित करने की कोशिश करेंगे कि वहां लंबे समय से नमाज अदा की जाती रही है और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद वे फिर से नमाज शुरू करेंगे। उन्होंने सभी से शांति बनाए रखने की अपील की। सोसाइटी ने हमेशा सौहार्द और शांति का पालन किया है और आगे भी इसी तरह शांति बनाए रखेगी। मुस्लिम पक्ष ने हाईकोर्ट के इस फैसले को गलत बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। समद खान ने कहा कि मुस्लिम समाज न्यायालय के फैसले का सम्मान करता है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस मामले में एसएलपी दायर कर दी गई है और जल्द ही स्टे मिलने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक सुप्रीम कोर्ट से कोई नया आदेश नहीं आता, तब तक मुस्लिम समाज भोजशाला परिसर में नमाज नहीं पढ़ेगा और लोग अपने घरों या नजदीकी मस्जिदों में जुम्मे की नमाज अदा करेंगे।

वहीं शहर काजी वकार सादिक ने भी कहा कि समाज शांति बनाए रखे और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में मामला चल रहा है और वहां से जो भी फैसला आएगा, उसका पालन किया जाएगा। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा था कि भोजशाला एक मंदिर और संस्कृत शिक्षा का केंद्र रहा है। इसके साथ ही परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का नियंत्रण जारी रहेगा। इस फैसले के बाद से क्षेत्र में स्थिति संवेदनशील बनी हुई है, लेकिन प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम शुरू

- सिलीगुड़ी में नई सरकार के फैसले से ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

सिकंदराबाद (एजेंसी)। सिलीगुड़ी (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में सिलीगुड़ी अनुमंडल के फांसीदेवा क्षेत्र में शुक्रवार को भारत-बांग्लादेश सीमा पर कंटीली बाड़ (फेंसिंग) लगाने का काम शुरू हो गया। यह कदम राज्य सरकार द्वारा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को 27 किलोमीटर भूमि के साथ-साथ बॉर्डर आउटपोस्ट और अन्य बुनियादी ढांचे के लिए अतिरिक्त जमीन सौंपने के बाद उठाया गया है। इससे संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था काफी मजबूत होने की उम्मीद है। इस विकास कार्य से स्थानीय सीमावर्ती निवासियों ने भारी राहत व्यक्त की है। लंबे समय से असुरक्षा का सामना कर रहे ग्रामीणों ने इसे एक बड़ा और जरूरी कदम बताया। स्थानीय निवासी अनिल घोष ने कहा, इस सीमावर्ती इलाके में पहले सुरक्षा नाम की कोई चीज नहीं थी। यहां का माहौल इतना खौफनाक था कि बयां नहीं किया जा सकता। हम मवेशी तक नहीं पाल सकते थे, क्योंकि उन्हें पालने का मतलब बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के हवाले करना था। यह सिर्फ बंगाल की नहीं, बल्कि पूरे देश की सुरक्षा का मामला था। आज नई सरकार और नए मुख्यमंत्री के प्रयासों से हम खुद को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। एक अन्य ग्रामीण नारायण साहा ने बताया कि पहले की मांगें अनसुनी कर दी गई थीं, लेकिन सुवेंदु अधिकारी के कार्यभार संभालते ही महज 10 दिनों के भीतर बीएसएफ को खुली छूट मिल गई, जिससे अब लोग चैन की नींद सो सकेंगे। ग्रामीण शिवम मोदक ने भी इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद अहम बताया। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय के बाद यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने जमीन देने में सहयोग नहीं किया, जिससे सीमा सुरक्षा प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि पहली कैबिनेट बैठक में ही जमीन हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू करने का फैसला लिया गया था, जिसे 45 दिनों के भीतर केंद्रीय गृह मंत्रालय को सौंप दिया जाएगा ताकि बीएसएफ बाड़ लगाने का काम पूरा कर सके।

कॉकरोच जनता पार्टी से चुनाव लड़ने का मन है : अब्बास अंसारी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर पूर्वांचल के राजनीतिक गलियारों में सियासी हलचल तेज हो गई है। इसी बीच मऊ सदर सीट से विधायक और दिवंगत मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने सबको चौंका दिया है। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पहुंचे अब्बास अंसारी से जब साइकिल के सिंबल पर चुनाव लड़ने को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि उन्हें कॉकरोच जनता पार्टी पसंद आ रही है और वह इसी के सिंबल पर चुनाव लड़ने की सोच रहे हैं। विधायक का यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव जीते अब्बास अंसारी ने व्यंग्य करते हुए कहा कि एक कॉकरोच पार्टी आई है और वह सोच रहे हैं कि क्यों न उसी से चुनाव लड़ा जाए। उन्होंने कहा कि इस काल्पनिक पार्टी के मुद्दे उन्हें काफी पसंद आ रहे हैं और उनके कई जानने वाले लोग इसमें शामिल भी हो चुके हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से हंसते हुए कहा कि अगर यहाँ इसका कोई कार्यालय खुला हो, तो उन्हें भी सदस्यता दिला दी जाए। दरअसल, अब्बास अंसारी ने जिस कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का जिक्र किया, वह कोई वास्तविक राजनीतिक दल नहीं है। यह सोशल मीडिया पर शुरू हुआ एक व्यंग्यात्मक ऑनलाइन अभियान (डिजिटल मूवमेंट) है, जिसे विदेश में रहने वाले एक भारतीय युवक अभिजीत दिपके ने शुरू किया था। युवाओं के बीच यह अभियान बेहद कम समय में काफी लोकप्रिय हो गया है। अब्बास अंसारी लंबे समय के बाद अपने विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय नजर आए हैं। वह सबसे पहले पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने एसपी कमलेश बहादुर से मुलाकात कर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की प्रति सौंपी और जिला प्रशासन को अपने क्षेत्र भ्रमण की जानकारी दी। इसके बाद वह समाजवादी पार्टी के कार्यालय पहुंचे और जिलाध्यक्ष दूधनाथ यादव व अन्य कार्यकर्ताओं के साथ करीब एक घंटे तक बैठक की। अब्बास अंसारी ने स्पष्ट किया कि अब वह अपने विधानसभा क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ही क्षेत्र में उनकी यह सक्रियता अचानक बढ़ गई है।

जल्द खत्म हो जाएगा पेट्रोल-डीजल? एलपीजी के लिए मचेगा हाहाकार!

-बाबा वेंगा की डरा रही है भविष्यवाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस वक्त पूरा विश्व बड़े ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण पहले से ही वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्त-व्यस्त थी, और अब अमेरिका व ईरान के बीच बढ़ता तनाव इस संकट को और गहरा कर रहा है। भू-राजनीतिक तनाव के इस माहौल के बीच, बुल्गारिया की भविष्यवक्ता बाबा वेंगा की एक कथित भविष्यवाणी इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है, जिसने आम जनमानस की चिंताओं को बढ़ा दिया है। अतीत में उनकी कई भविष्यवाणियों के सच होने के दावों के कारण लोग इस नई चेतावनी को लेकर भी आशंकित हैं।

इंटरनेट पर चल रहे दावों के अनुसार, बाबा वेंगा ने वर्ष 2026 के लिए एक बड़ी चेतावनी दी थी, जिसके मुताबिक दुनिया को एक भीषण ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति में अत्यधिक कमी आने की बात कही गई है। वर्तमान परिस्थितियों को देखें तो कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने की आशंका इस डर को और पुख्ता कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह रणनीतिक जलमार्ग बाधित होता है, तो यातायात के साधनों में ठहराव आ सकता है।

इस संकट का असर केवल ईंधन तक सीमित नहीं है, बल्कि एलपीजी और सीएनजी की कीमतों में भी भारी उछाल देखने को मिल रहा है। इसका सीधा असर आम आदमी की रसोई के बजट पर पड़ रहा है। कई देशों में डीजल के लिए वाहनों की लंबी कतारें लगी हैं, वहीं ढाबों और होटलों में जरूरत के मुताबिक गैस सिलेंडर न मिलने से मुश्किलें बढ़ गई हैं। विश्लेषकों का कहना है कि जब तक ईरान-अमेरिका संघर्ष पर विराम नहीं लगता, तब तक वैश्विक सप्लाई चेन का सामान्य होना मुश्किल है। हालांकि, बाबा वेंगा की इन भविष्यवाणियों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है, लेकिन वर्तमान भू-राजनीतिक स्थितियां इस संकट को हकीकत में बदलती हुई दिखा रही हैं।

हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन में लगे कर्मचारियों को विभाग के कामों से मिलेगी राहत

जनगणना-2027 के कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश

●समयबद्ध रूप से पूरा होगा जनगणना कार्य

एजेंसी

गुरुग्राम। जनगणना-2027 के अंतर्गत चल रहे हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन को निर्धारित समय सीमा में सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त एवं प्रधान जनगणना अधिकारी प्रदीप दहिया ने गुरुवार को महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं।

उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों, कार्यालयों एवं शाखाओं को निर्देशित किया है कि जनगणना कार्य में तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके नियमित विभागीय कार्यों से आवश्यक राहत प्रदान की जाए, ताकि वे जनगणना संबंधी दायित्वों का निर्वहन बिना किसी बाधा के कर सकें। प्रधान जनगणना अधिकारी द्वारा कहा गया है कि जनगणना-2027 के तहत हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन वर्तमान में निगम क्षेत्र में प्रगति पर है। यह कार्य राष्ट्रीय महत्व का है तथा भारत सरकार एवं राज्य

सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार संचालित किया जा रहा है। जारी निर्देशों में उल्लेख किया गया है कि जनगणना कार्य में लगे कई अधिकारी एवं कर्मचारी नियमित विभागीय जिम्मेदारियों के कारण निर्धारित समयावधि में अपने जनगणना संबंधी कार्यों को पूरा करने में कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। हाउस लिस्टिंग कार्य की प्रकृति समयबद्ध है, जिसमें फील्ड विजिट, सत्यापन, डेटा संकलन एवं समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना शामिल है। ऐसे में संबंधित कर्मचारियों की निर्बाध उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। इसी को ध्यान में रखते हुए सभी विभागों एवं शाखाओं के प्रमुखों को निर्देश दिए गए हैं कि जनगणना-2027 के लिए नियुक्त कर्मचारियों को आवश्यक प्रशासनिक सहयोग एवं पर्याप्त समय उपलब्ध कराया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि जनगणना कार्यों के निर्वहन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो तथा तैनात कर्मचारी जनगणना से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देते हुए निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरा करें।

गुरुग्राम में 52 परीक्षा केंद्रों पर दो शिफ्ट में परीक्षा, 20 हजार 76 अभ्यर्थी होंगे शामिल

●24 मई को गुरुग्राम में होगी यूपीएससी सिविल सर्विस प्रीलिमिनरी परीक्षा

●एडीसी सोनू भट्ट ने अधिकारियों को दिए पारदर्शी व शांतिपूर्ण परीक्षा संचालन के निर्देश

एजेंसी

गुरुग्राम। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित सिविल सर्विस प्रीलिमिनरी परीक्षा 24 मई 2026 को गुरुग्राम में दो शिफ्ट में आयोजित की जाएगी। परीक्षा के सफल, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी संचालन को लेकर लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एडीसी सोनू भट्ट ने की। बैठक में डीईओ इंदु बोकन, सेंटर सुपरवाइजर, ड्यूटी मजिस्ट्रेट, लोकल इंस्पेक्टिंग ऑफिसर (एलआईओ), ट्रांजिट ऑफिसर, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। एडीसी ने बताया कि जिले में 52 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं और परीक्षा में कुल 20 हजार 76 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा की पहली शिफ्ट सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक तथा दूसरी शिफ्ट दोपहर 2:30 बजे से 4:30 बजे तक आयोजित होगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। किसी भी तरह की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ आपराधिक लापरवाही के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, बिजली, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वॉल क्लॉक, इंटरनेट कनेक्टिविटी सहित सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एडीसी ने बताया कि इस बार परीक्षा में फेस ऑथेंटिकेशन प्रक्रिया लागू की जा रही है, जिसके लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर स्थिर वाई-फाई कनेक्शन अनिवार्य रहेगा। फेस ऑथेंटिकेशन से जुड़े सभी इनविजिलेटर्स को तकनीकी प्रशिक्षण लेने के निर्देश दिए गए हैं ताकि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की समस्या न आए। गर्मी को देखते हुए उन्होंने सभी केंद्रों पर विशेष प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक केंद्र पर स्वच्छ पेयजल, डिस्पोजेबल ग्लास, छायादार प्रतीक्षा स्थल तथा मेडिकल सहायता की व्यवस्था उपलब्ध होनी चाहिए। किसी भी अभ्यर्थी की तबीयत खराब होने पर तुरंत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग को आवश्यकतानुसार एंबुलेंस और मेडिकल टीम तैनात रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।

लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के साथ पदोन्नति को लेकर विभाग कर रहा भेदभावः राजेंद्र कुमार

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रियल स्टाफ एसोसिएशन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला इकाई की बैठक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग (डाइट) के प्रांगण में बुलाई गई। बैठक की अध्यक्षता हेमसा गुरुग्राम इकाई के जिला प्रधान उदयभान यादव ने की।

बैठक में जिला कार्यकारिणी द्वारा अनीता यादव को अधीक्षक पद पर पदोन्नति होने पर शुभकामनाएं दी गईं। इस मौके पर सचिव राजेंद्र कुमार ने कहा कि लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के साथ पदोन्नति को लेकर विभाग द्वारा भेदभाव किया जा रहा है। निदेशालय की तर्ज पर नियमों में छूट देकर फील्ड के लिपिक वर्ग के साथियों की पदोन्नति करने एवं वर्कलोड के अनुसार नए पद सृजित करने की मांग उठाई गई संगठन के प्रधान उदयभान यादव एवं राज्य कमेटी सदस्य अरविंद चौहान व राजेंद्र कुमार जिला सचिव द्वारा संयुक्त बयान जारी करके कहा गया कि शिक्षा विभाग में फील्ड में कार्यरत लिपिकों के लिए पदोन्नति की अवसर बहुत सीमित कर दिए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां निदेशालय में एक लिपिक पदोन्नति पाकर डिप्टी डायरेक्टर तक पहुंच जाता है, वहीं फील्ड में कार्यरत कर्मचारी 32 वर्ष की नौकरी के बाद भी मुश्किल से असिस्टेंट बन पाता है। कर्मचारी बिना पदोन्नति के ही सेवानिवृत हो रहे हैं। संगठन पदोन्नति नीति के तहत नियमों में छूट देकर रिक्त स्थानों की तुरंत प्रभाव से भरने की मांग करता है। संगठन के नेताओं ने मांग करते हुए कहा कि वर्कलोड के अनुसार सी.आर.सी. और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में असिस्टेंट का पद, खंड कार्यालय में डिप्टी सुपरिटेंडेंट व स्टैटिकल अस्सिटेंट व डी.ई.ई.ओ. एवं डी.ई.ओ. कार्यालय में सुपरिंटेंडेंट व एस्टेब्लिशमेंट ऑफिसर के पद स्वीकृत किए जाएं। जिला इकाई द्वारा आंदोलन को तेज करने की रणनीति के तहत सदस्यता एकत्रित करने, खंड स्तर व जिला स्तर के चुनाव करने बारे रणनीति तैयार करने बारे चर्चा की गई। इस मौके पर अरविंद चौहान राज्य कमेटी सदस्य हेमसा, उर्मिला यादव जिला उप प्रधान, अनीता चौहान जिला उप-प्रधान, विजय कुमार खंड प्रधान फर्रुखनगर, लख्मीचंद खंड प्रधान गुरुग्राम, अनीता यादव अधीक्षक डाइट गुरुग्राम, संजीव कुमार आंकड़ा सहायक, सुनीता लिपिक, पूनम लिपिक, कमलेश डाइट गुरुग्राम मौजूद रहे।

राजीव चौक से सोहना चौक तक विशेष सफाई एवं अतिक्रमण हटाओ अभियान रहा जारी

●लगातार दूसरे दिन निगम की कार्रवाई, रेहड़ियों व अवैध अतिक्रमणों पर सख्ती

एजेंसी

गुरुग्राम। शहर को स्वच्छ, व्यवस्थित और यातायात के लिए सुगम बनाने के उद्देश्य से नगर निगम गुरुग्राम द्वारा राजीव चौक से सोहना चौक तक विशेष सफाई एवं अतिक्रमण हटाओ अभियान लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। यह अभियान महापौर राजरानी मल्होत्रा के निर्देशानुसार जनहित में चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान निगम टीम ने सड़क किनारे लगी अवैध रेहड़ियों एवं अतिक्रमणों को हटाते हुए मार्ग को अतिक्रमण मुक्त बनाया। साथ ही पूरे कॉरिडोर में व्यापक सफाई अभियान चलाकर कचरा एवं मलबा हटाया गया, जिससे क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सके। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराना, यातायात बाधाओं को दूर करना तथा सार्वजनिक स्थानों पर अवैध कब्जों को समाप्त करना है।

इसके लिए संबंधित क्षेत्रों में नियमित निगरानी भी की जा रही है, ताकि हटाए गए अतिक्रमण दोबारा न हो सकें। यह अभियान अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. जयवीर यादव की देखरेख में संचालित किया जा रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि सफाई एवं अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई प्रभावी ढंग से जारी रखी जाए और नागरिक सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। मेयर राजरानी मल्होत्रा ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण न करें, स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग दें तथा शहर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाने के इस प्रयास में भागीदार बनें।

बच्चों के मुख से गूंजेंगी प्रसिद्ध कवि हरिओम पंवार की कविताएं

डा. हरिओम पंवार के जन्मदिन पर माउंट स्कूल में होगा कार्यक्रम

एजेंसी

गुरुग्राम। माउंट स्कूल गंगा विहार न्यू पालम विहार में राष्ट्रीय कवि संगम द्वारा आयोजित किए जाने वाले प्रसिद्ध कवि डॉ. हरिओम पंवार जन्मोत्सव पर होने वाले कार्यक्रम के आयोजन भी किया जायेगा, जिसमें राष्ट्रीय कवि संगम की जिला संयोजिका मोनिका शर्मा, अनिल श्रीवास्तव, राजपाल, राजेश्वर वशिष्ठ सुजीत कुमार उपस्थित रहेंगे। संचालन दीपक वशिष्ठ एवं मोनिका

संदर्भ में विभिन्न विद्यालयों के संचालकों की एक बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गयी।

कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के बच्चे डा. हरिओम पंवार की कविताओं का काव्य पाठ करेंगे। इस अवसर पर एक काव्य गोष्ठी का शर्मा करेंगी। काव्य पाठ करने वाले सभी विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र दिया जायेगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कवि संगम के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. अशोक बत्रा और गुरुग्राम के संरक्षक और वरिष्ठ पत्रकार अनिल आर्य की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

एचएसपीसीबी की टीम ने आवासीय क्षेत्र से जब्त किया 18 क्विंटल से अधिक प्लास्टिक का सामान

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) गुरुग्राम रीजन (नॉर्थ) द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक (एसयूपी) के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान शिवाजी नगर के रिहायशी क्षेत्र में प्रतिबंधित प्लास्टिक वस्तुओं के अवैध उपयोग, भंडारण और वितरण पर रोक लगाने को लेकर चलाया गया।

अभियान के दौरान क्षेत्रीय अधिकारी आकांक्षा तंवर, एईई कामेश, एईई विशाल, साइंटिस्ट-बी अर्जु, एईई आशीष गहलावत तथा जेईई राघवेंद्र की टीम ने विभिन्न दुकानों, विक्रेताओं और भंडारण स्थलों का निरीक्षण किया। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड गुरुग्राम (उत्तर) की क्षेत्रीय अधिकारी आकांक्षा तंवर ने गुरुवार को बताया कि शिवाजी नगर स्थित मकान नंबर 215ए/16 में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री का भंडारण पाया गया। टीम ने मौके से कुल 1810 किलोग्राम

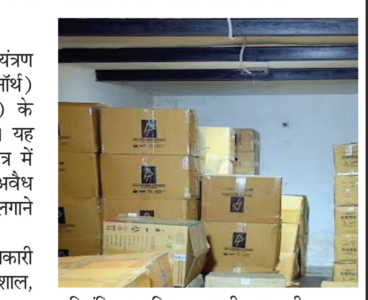

प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री जब्त की।

उन्होंने बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध से संबंधित नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि जब्त की गई प्लास्टिक सामग्री को पर्यावरण अनुकूल निपटान के लिए एम/एस जेबीएम एनवायरो वेस्ट टू एनर्जी प्लांट, ताजपुर, मुरथल, सोनीपत भेज दिया गया है।

क्राइम डायरी

अवैध रूप से मांस ले जा रहे दो आरोपी काबू

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। अवैध रूप से मांस लेकर जा रहे दो आरोपियों को थाना सूरजकुण्ड पुलिस टीम ने काबू कर उनके कब्जे से 35 किलो मांस व एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान सोहेल उर्फ कुतरु तथा साकिब निवासी गांव फतेहपुर तगा, फरीदाबाद के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने गुरुवार को बताया कि थाना सूरजकुण्ड की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि इंतजार गार्डन सूरजकुण्ड रोड पर मांस पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। मौके पर दो युवक मांस को सड़क से एकत्रित करते हुए मिले, जिनको पुलिस टीम द्वारा मौके पर ही काबू किया गया और उनके खिलाफ संबंधित धाराओं में थाना सूरजकुंड में मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में सामने आया कि दोनों मोटरसाइकिल पर सलम्बा नूंह से मांस लेकर दिल्ली बेचने के लिए जा रहे थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फिल्म प्रोडक्शन व ट्रेडिंग के नाम पर 31 करोड़ की ठगी, पति-पत्नी गिरफ्तार

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। फिल्म अभिनेता दिवांशु शर्मा के नाम पर फिल्म प्रोडक्शन व फॉरेक्स ट्रेडिंग में निवेश के नाम पर करीब 31 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में आर्थिक अपराध शाखा एन.आई.टी. की टीम ने एक दंपत्ति को मुंबई से गिरफ्तार किया है। उक्त दंपत्ति ने लोगों को निवेश के झांसा देकर रुपए एकत्रित किया और फरार हो गए थे। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार सेक्टर-88, फरीदाबाद निवासी अमित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि हिमान्शु शर्मा, एसजीएम नगर में फॉरेक्स एजुकेशन इंस्टीट्यूट नाम से एक कंपनी संचालित करता था। फॉरेन एक्सचेंज ट्रेडिंग और फिल्मों में पैसा लगाकर हर महीने तीन प्रतिशत तक मुनाफा कमाने के लिये लोगों को निवेश के लिए

प्रेरित करता था और अपने भाई दिवान्शु शर्मा (फिल्म अभिनेता) के नाम और फिल्मों का हवाला देकर लोगों का विश्वास

उक्त दंपति ने लोगों को निवेश के झांसा देकर रुपए एकत्रित किया और फरार हो गए थे। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार सेक्टर-88, फरीदाबाद निवासी अमित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि हिमान्शु शर्मा, एसजीएम नगर में फॉरेक्स एजुकेशन इंस्टीट्यूट नाम से एक कंपनी संचालित करता था।

जीतता था। वर्ष 2019 से आरोपीगण ने अलग-अलग लोगों से करोड़ों रुपये निवेश करवाये। शुरुआत में निवेशकों को मुनाफा देकर भरोसे में लिया गया तथा बाद में बड़ी रकम एकत्रित की गई। वर्ष 2020 में 'मैसर्स करेंसी कंसलटेंट प्राइवेट लिमिटेड' नाम से एक नई कंपनी नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में खोली और निवेशकों से और अधिक धनराशि एकत्रित की। कुछ समय तक मुनाफा देने के बाद मई 2023 में आरोपी अपने कार्यालय व घर बंद कर परिवार सहित फरार हो गए। इस दौरान अलग-अलग लोगों से करीब 31 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई। शिकायत पर थाना एसजीएम नगर में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि घटनाक्रम के संबंध में आर्थिक अपराध शाखा एन.आई.टी. की टीम ने हिमांशु शर्मा निवासी एस.जी.एम नगर व उसकी पत्नी को 19 मई को मुंबई से गिरफ्तार कर दो दिन के ट्रांजिट रिमांड पर लिया और पूछताछ की। पुलिस ने गुरुवार उन्हें फरीदाबाद की अदालत में पेश कर चार दिन के पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

सोनीपत में 20 लाख की फिरौती मांगने वाला आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद की आवाज

सोनीपत। पुलिस ने 20 लाख रुपये की फिरौती मांगने के मामले में एक आरोपी गुरुवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयोग किया गया मोबाइल फोन बरामद किया है। आरोपी की पहचान सोनीपत के गांव घड़वाल निवासी जगरूप के रूप में हुई है। सहायक पुलिस आयुक्त संदीप धनखड़ ने बताया कि गोहाना निवासी भगवान गोयल ने थाना शहर गोहाना में शिकायत दी थी कि सात मई 2026 को उसके मोबाइल फोन पर कॉल आई। कॉल

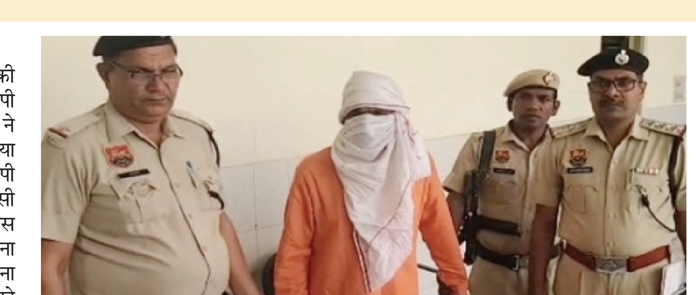

गोहाना निवासी भगवान गोयल ने थाना शहर गोहाना में शिकायत दी थी कि सात मई 2026 को उसके मोबाइल फोन पर कॉल आई।

करने वाले ने खुद को लाखा घड़वाल बताते हुए 20 लाख रुपये की मांग की। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी ने रुपये नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। इससे परिवार में डर का माहौल बन गया था। शिकायत मिलने के बाद थाना शहर गोहाना में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले में जांच टीम में तैनात सहायक उप निरीक्षक अनम ने अपनी टीम के साथ कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन भी बरामद किया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

Sig2 SideA 05/25/2026 11:35:10 Swastika Creation 3292.job Process Black

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें

सिंगल मदर्स के लिए बच्चे की परवरिश करना आसान नहीं होता है। क्योंकि उनकी जिंदगी में ऐसी कई परेशानियां आती हैं, जिन्हें वह अकेले मैनेज करती हैं। लेकिन सिंगल मदर्स अपने बच्चे को हर खुशी देने की कोशिश करती हैं। इस समय गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं और बच्चे घूमने जाने की जिद करते हैं। ऐसे में मां अपने बच्चे के लिए भी ट्रिप प्लान करती हैं। लेकिन सवाल यह है कि वह कम बजट में ट्रिप कैसे प्लान करें। क्योंकि उन्हें अकेले ही घर और बाहर सब मैनेज करना होता है। वहीं अगर आप भी सिंगल मदर हैं और बजट में ट्रिप प्लान करने में परेशान हो रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप सिर्फ 10 हजार रुपए में घूमने का प्लान बना सकती हैं।

ऐसे प्लान करें ट्रिप

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें। क्योंकि सही लोकेशन आपके बजट को कम करती है। भले ही आप इन जगहों पर घूम चुकी हों, लेकिन बच्चे के लिए आप किसी सस्ती जगह का चुनाव कर सकती हैं।

वहीं सिंगल मदर्स को ऐसी जगह का चुनाव करना चाहिए, जहां पर अच्छी सुविधा और सुरक्षा के लिहाज से भी ठीक हो। जहां पर सस्ते ऑटो या कैब आदि आसानी से मिल सकें। जैसे पहाड़ों वाली जगह पर हर चीज का दाम अधिक रहता है। इन जगहों पर खाने-पीने से लेकर स्टे तक के साधन काफी महंगे होते हैं।

वहीं आपको अपने साथ कुछ खाने पीने की ऐसी चीजें रखनी चाहिए, जो जल्दी खराब न हों। ट्रिप के दौरान आप साथ में फल लेकर जा सकती हैं। इससे स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा और जल्दी भूख भी नहीं लगेगी।

बजट में घूमने के लिहाज से टूर पैकेज बेस्ट ऑप्शन होते हैं

सही लोकेशन का चुनाव करने पर आपको होटल भी कम दाम में मिल जाते हैं और यहां पर पहुंचना भी आसान होता है।

अधिकतर सिंगल मदर्स शहर से बाहर नहीं जाना चाहती हैं, तो आप शहर में रहकर भी घूमने जाने का प्लान बना सकती हैं। आप शहर में बच्चे को ऐसी जगह घुमाएं, जहां पर बच्चे हमेशा से जाना चाहते थे। ऐसा करने से न सिर्फ ट्रैवल और होटल का खर्चा बचेगा, बल्कि शहर में रहकर बच्चे अपनी पसंदीदा जगह घूम सकेंगे।

दूसरे शहर में कम खर्चे के लिहाज से आप शेयरिंग के साधन से घूम सकती हैं। क्योंकि इसमें कम बजट होता है। वहीं बच्चों के साथ घूमने के लिए यह टिप्स आपकी यात्रा को आसान बना देगी।

प्रकृति, शांति और रोमांच का संगम है पार्वती घाटी में बसा कसोल

हिमाचल प्रदेश की पार्वती घाटी में बसा कसोल एक छोटा लेकिन बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल है, जो खासकर युवाओं, ट्रेकिंग प्रेमियों और विदेशी पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। समुद्र तल से लगभग 1,580 मीटर की ऊँचाई पर स्थित कसोल को "भारत का मिनी इज़राइल" भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ बड़ी संख्या में इज़राइली पर्यटक आते हैं और यहाँ की संस्कृति में उनका प्रभाव देखा जा सकता है।

कसोल की खासियत

कसोल एक शांत और सुरम्य गाँव है, जो पार्वती नदी के किनारे स्थित है। यहाँ का वातावरण बेहद शांत, स्वच्छ और ठंडा होता है। ऊँचे पहाड़, घने देवदार के जंगल, कलकल बहती पार्वती नदी और रंग-बिरंगे कैफ़े इस स्थान को बेहद आकर्षक बनाते हैं।

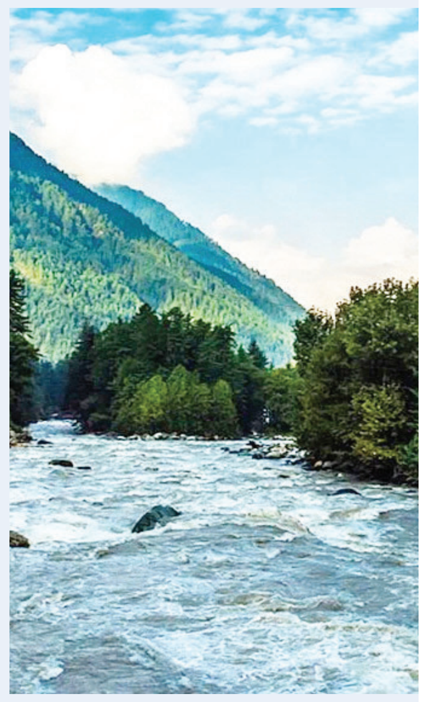

प्रमुख आकर्षण

1. पार्वती नदी

यह तेज बहाव वाली नदी कसोल की जान मानी जाती है। इसके किनारे टहलना, चट्टानों पर बैठकर मन को शांति देना और फोटोग्राफी करना पर्यटकों को बहुत पसंद आता है।

2. तोश और मणिकरण

कसोल से थोड़ी दूरी पर स्थित ये गाँव अपने प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं। मणिकरण में गर्म पानी के झरने और गुरुद्वारा प्रमुख आकर्षण हैं, जबकि तोश ट्रेकिंग प्रेमियों का पसंदीदा गाँव है।

3. चालल गाँव

कसोल से लगभग 30 मिनट की पैदल दूरी पर स्थित यह छोटा गाँव ट्रेकिंग और कैम्पिंग के लिए आदर्श है। यहाँ आप स्थानीय संस्कृति को करीब से जान सकते हैं।

4. इज़राइली कैफ़े और भोजन

कसोल में कई इज़राइली कैफ़े और रेस्तराँ हैं जहाँ आप फलाफल, शाकशूका, हुम्मस आदि विदेशी व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

कसोल में करने योग्य गतिविधियाँ

ट्रेकिंग (खीरगंगा, तोश, चालल, ग्रहन)

कैम्पिंग और बोनफायर

रिवर साइड कैफ़े में समय बिताना

स्थानीय लोगों से मिलकर पहाड़ी संस्कृति को समझना

हर्बल चाय और हिमाचली हस्तशिल्प की खरीदारी

यात्रा का उत्तम समय

मार्च से जून: गर्मियों में ठंडी जलवायु और ट्रेकिंग के लिए अनुकूल मौसम।

सितंबर से नवंबर: मानसून के बाद की हरियाली और साफ आसमान।

दिसंबर से फरवरी: बर्फबारी का आनंद लेने के लिए उत्तम।

कैसे पहुँचे कसोल?

हवाई मार्ग: निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो कसोल से लगभग 31 किमी दूर है।

रेल मार्ग: निकटतम रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, लेकिन सड़क मार्ग से पहुँचना अधिक सुविधाजनक है।

सड़क मार्ग: दिल्ली, चंडीगढ़ और मनाली से कसोल तक नियमित बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

कसोल एक ऐसा गंतव्य है जहाँ आप भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के साथ एक गहरा रिश्ता बना सकते हैं। यहाँ का शांत वातावरण, रोमांचक ट्रेक्स, विदेशी भोजन और पहाड़ी सौंदर्य, हर पर्यटक को मंत्रमुग्ध कर देता है। चाहे आप सोलो ट्रैवलर हों, कपल या दोस्तों के साथ – कसोल हर किसी के लिए एक यादगार अनुभव है।

देहरादून में करना चाहते कुछ तूफानी तो जरूर एक्सप्लोर करें ये जगहें, जमकर कर सकेंगे मस्ती

देहरादून एक ऐसी जगह है, जहां पर आपको खूबसूरत हिल स्टेशन मिलेंगे। यहां से हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और धनोल्टी जैसी कई जगहों पर आप जा सकते हैं। वहीं अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक अनुभव करना चाहते हैं। वहीं कुछ देहरादून में ऐसी जगहों की तलाश करना चाहते हैं, जहां पर कुछ अच्छी एक्टिविटी कर सकें। अगर आप भी देहरादून में कुछ तूफानी करना चाहते हैं, तो आपको आसपास के हिल स्टेशन पर घूमने जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देहरादून की कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

रॉबर्स केव देहरादून

देहरादून की यह आपको काफी रोमांचक लगेगी। क्योंकि इसकी बनावट लोगों को आकर्षित करती है। जिन लोगों ने पहले कभी गुफा वाली जगहों पर प्रवेश नहीं किया है, उनके लिए यह एडवेंचर्स साबित हो सकता है। क्योंकि यहां पर आपको पैदल जाना होगा। पैरों में पानी होता है और मछलियां आपके पैरों को छूती हैं। हालांकि शुरूआत में आपको गुफा में चलने में थोड़ा डर लग सकता है, लेकिन धीरे-धीरे अंदर जाते ही नॉर्मल लगने लगेगा। प्रयास करें कि आप सुबह-सुबह पहुंचें, क्योंकि यहां पर बहुत भीड़ लगती है। यह मसूरी के पास घूमने लायक अच्छी जगहों में से एक है।

रॉक क्लाइंबिंग

अगर आप कुछ तूफानी करना चाहते हैं और बिना किसी सहारे के पेड़ पर चढ़ना चाहते हैं। तो आपको देहरादून में रॉक क्लाइंबिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। यह सालन गांव में रॉक क्लाइंबिंग करवाई जाती है। जहां पर आपको हर दिन भीड़ देखने को मिलेगी। आप यहां पर कैंपिंग के साथ कई तरह की एक्टिविटी भी कर सकते हैं। वहीं आप यहां पर पैकेज भी बुक कर सकते हैं और पूरा रात टेंट में बिता सकते हैं। इस दौरान आपको मिट्टी के बर्तन में खाना बनाना होगा और पूरी लाइफ कैंप की तरह जीना होगा। यह आपके लिए एक रोमांचक अनुभव हो सकता है।

मालसी डियर पार्क

अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक करना चाहते हैं, तो मालसी डियर पार्क जा सकते हैं। क्योंकि यह जगह आपको निराश नहीं करेगी। आप यहां पर जिप लाइनिंग और तरह-तरह की एक्टिविटी भी कर सकेंगे। बच्चों को भी यहां पर एक्टिविटी करवाई जाती है। वहीं अगर आप छोटा ट्रिप प्लान कर रही हैं, तो आपको यहां पर आपको भूलकर भी नहीं जाना चाहिए। यह देहरादून के पास घूमने वाली बेस्ट जगहों में से एक है।

भीड़ से दूर बेहद शांत है उत्तराखंड का ये हिल स्टेशन, जन्नत में आने का होगा एहसास

समर वेकेशन में हजारों लोग घूमने-फिरने के लिए निकल गए हैं। तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने अभी तक कोई ट्रिप प्लान नहीं कर पाए हैं। वह किसी पहाड़ी जगह पर घूमने जाना चाहते हैं, लेकिन लोकेशन नहीं ढूंढ पा रहे हैं। वहीं कुछ लोग ऋषिकेश-नैनीताल नहीं जाना चाहते हैं, क्योंकि इन जगहों पर समर वेकेशन में यहां पर पर्यटकों की अधिक भीड़ आती है। इसलिए अगर आप किसी ऐसी जगह की तलाश कर रहे हैं, जो नैनीताल और ऋषिकेश से भी अधिक सुंदर हो। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की एक सबसे खूबसूरत जगह के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनस्यारी – अगर आप भी दिल्ली की गर्मी से परेशान होकर अपने परिवार के साथ उत्तराखंड में अच्छी जगह ढूंढ रहे हैं। तो फौरन आपको मुनस्यारी का ट्रिप प्लान करें। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, ट्रेकिंग और ऊंचे पहाड़ों के लिए जाना जाता है। मुनस्यारी में गर्मियों में आपको अधिक भीड़ नहीं मिलने वाली है। क्योंकि मुनस्यारी काफी ऊंचाई पर स्थित है। नैनीताल से मुनस्यारी पहुंचने में आपको करीब 11 से 12 घंटे का समय लगता है। वहीं ऋषिकेश से भी यहां तक पहुंचने में करीब इतना ही समय लगेगा। यह मसूरी के पास घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

ऐसे पहुंचे मुनस्यारी

अगर आप दिल्ली से यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करने के लिए अच्छा है। हालांकि इसमें ज्यादा समय लग सकता है।

अगर आप चाहें तो दिल्ली से देहरादून के लिए ट्रेन ले सकते हैं। फिर मुनस्यारी के लिए बस ले सकते हैं।

इसके साथ ही मुनस्यारी के लिए कैब की सुविधा भी मौजूद है। लेकिन इसमें खर्च ज्यादा होता है। वहीं अगर आप बजट में यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करें।

आने-जाने में असुविधा न हो इसके लिए पहले से बस की बुकिंग कर लें। क्योंकि अधिक भीड़ होने पर आपको बस में सीट मिलने में मुश्किल हो सकती है।

दिल्ली से मुनस्यारी की दूरी करीब 604 किमी है। यहां पर पहुंचने में आपको 13-14 घंटे का समय लग सकता है।

प्रयास करें कि आप रात में बस ले लें। जिससे कि सुबह मुनस्यारी में ही आंख खोलें। इससे आपका सफर आराम से सोकर बीतेगा।

मुनस्यारी परिवार के साथ घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

पलक तिवारी ने अपनी मां श्वेता तिवारी के साथ बॉन्ड को लेकर खुलकर बात की

बॉलीवुड एक्ट्रेस पलक तिवारी लगातार अपने करियर को लेकर चर्चा में रहती हैं। इन दिनों वह अपनी वेब सीरीज 'लुक्खे' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच बातचीत में उन्होंने अपनी मां और टीवी की मशहूर अभिनेत्री श्वेता तिवारी के साथ बॉन्ड को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि मां ने उनके करियर में कभी भी दखल नहीं दिया। उन्होंने जो भी अब तक फैसले लिए हैं, खुद और दिल से लिए हैं। पलक तिवारी ने कहा, 'मेरी और मेरी मां की जिंदगी पूरी तरह अलग दौर और अनुभवों से गुजरी है, जिसके चलते हम दोनों के सोचने का तरीका अलग है। कहानियों को समझने का नजरिया भी अलग है। एक कलाकार के तौर पर हर व्यक्ति का अपना एक अलग सफर होता है, और उसी सफर के अनुभव उसके फैसलों को प्रभावित करते हैं। मेरी मां ने जिस समय और माहौल में काम किया, वह आज के समय से बहुत अलग था, इसलिए हम दोनों के दृष्टिकोण भी अलग हैं।'

पलक ने कहा, ''मेरी मां कभी भी मेरे करियर में दखल नहीं देतीं। वह सिर्फ मार्गदर्शन करती हैं, लेकिन किसी भी तरह का दबाव नहीं डालतीं। उन्होंने हमेशा से मुझे स्वतंत्र रूप से सोचने और फैसले लेने के लिए प्रेरित किया है। उनका मानना है कि कलाकार को अपने फैसले खुद लेने चाहिए, क्योंकि वही उसके करियर को सही दिशा देते हैं।'' इंटरव्यू के दौरान पलक ने बताया, ''मां हमेशा मुझसे यही पूछती हैं कि जो प्रोजेक्ट मैं चुन रही हूं, क्या वह सच में मेरे दिल को पसंद है या नहीं। वह मुझे किसी भी प्रोजेक्ट के लिए मजबूर नहीं करतीं, बल्कि यह समझने की कोशिश करती हैं कि क्या वह काम पलक के लिए सही है या नहीं।'' पलक ने आगे कहा, ''मां ने हमेशा मुझे यह सलाह दी है कि मैं अपने दिल की आवाज को सुनूं। एक कलाकार के लिए सबसे जरूरी चीज यही है कि वह अपने काम से भावनात्मक रूप से जुड़ा हो। अगर कहानी या किरदार अंदर से महसूस नहीं होता, तो उसे करना सिर्फ एक काम बनकर रह जाता है, जबकि अभिनय का असली मजा तभी आता है, जब वह दिल से जुड़ा हो।''

मीरा नायर की 'अमरी' में नजर आएंगी प्रियंका चोपड़ा

पिता के रोल में जयदीप अहलावत

डॉक्यूमेंट्री फिल्मों से अपने निर्देशन करियर की शुरुआत करने वाली मीरा नायर अब एक नई फिल्म लेकर आ रही हैं। इस फिल्म का नाम है 'अमरी'। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और जयदीप अहलावत के अलावा भी कई कलाकाल महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'अमरी' स्टार कास्ट

मीरा नायर की नई फिल्म 'अमरी' में मुख्य भूमिका में अंजलि शिवरामन अमृता शेर-गिल का किरदार निभाएंगी। एमिली वॉटसन उनकी मां मैरी-एंटोनेट का रोल करेंगी। जयदीप अहलावत उनके पिता उमराव सिंह शेर-गिल के किरदार में नजर आएंगे। क्रिस्टियन साकवारी विक्टर ईगन के रूप में नजर आएंगी। अंजना वासन इंदिरा शेर-गिल के रूप में और जिम सरभ कार्ल खंडालावाला के रूप में नजर आएंगे। इन सभी के अलावा प्रियंका चोपड़ा मैडम अजूरी के रोल में नजर आएंगी। प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म की एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर भी हैं। मीरा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी नई फिल्म 'अमरी' का पहला लुक जारी किया है।

'अमरी' को लेकर मीरा नायर की राय

अमृता शेर-गिल की कला ने मीरा नायर को बहुत प्रभावित किया है। मीरा ने कहा, ''अमरी' अमृता शेर-गिल की कला से प्रेरित है। उन्होंने यूरोप में अच्छी ट्रेनिंग ली और फिर भारत की आत्मा को अपनी पेंटिंग में उतारा। उनके रंगों की हिम्मत और आम लोगों को चित्रित करने का तरीका मुझे हमेशा प्रभावित करता रहा है।'

अमृता शेर-गिल की पेंटिंग्स

2027 में अमृता शेर-गिल की पेंटिंग्स की बड़ी प्रदर्शनियां दुनिया भर में लगाई जाएंगी। ये पेरिस से शुरू होकर लॉस एंजिल्स, दोहा होते हुए नई दिल्ली में खत्म होंगी। दिल्ली में उनकी स्थायी प्रदर्शनी भी लगाने की योजना है।

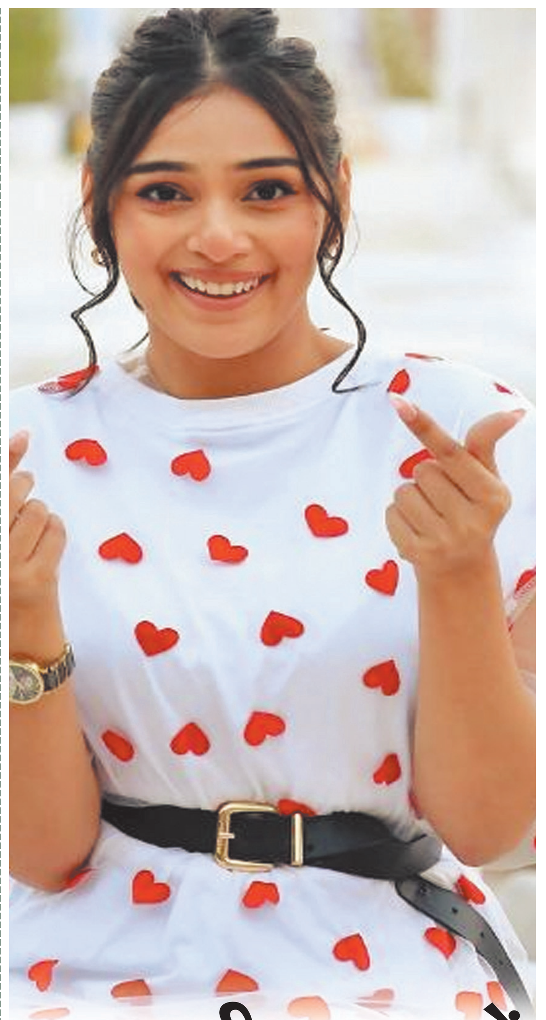

आज भी समाज में लोगों को उनके सरनेम से जज किया जाता है

अभिनेत्री महवश अपनी आगामी वेब सीरीज 'सतरंगी: बदले का खेल' की रिलीज को लेकर तैयार हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस सीरीज में उत्तर भारत की लोक कला 'लौंडा नाच' और जाति-आधारित भेदभाव जैसे गंभीर मुद्दों को भी उठाया है। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि स्क्रिप्ट सुनते ही उन्होंने इसके लिए तुरंत हामी भर दी थी। उन्होंने कहा, 'जब मैंने कहानी सुनी, तो मुझे लगा कि यह सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक सामाजिक संदेश देने का माध्यम भी है। उत्तर प्रदेश में पली-बढ़ी होने के नाते मैंने अपने आस-पास ऐसी सच्चाइयों को देखा और सुना था। उस दुनिया का हिस्सा बनना मेरे लिए एक बहुत ही सार्थक मौका था। मेरे किरदार में भी कई इमोशनल परतें हैं और एक एक्टर के लिए, ऐसी जटिलता हमेशा रोमांचक होती है।' सीरीज के ट्रेलर से साफ पता चलता है कि इसकी कहानी बदले की नहीं, बल्कि पहचान और आत्म-सम्मान की लड़ाई भी है। अभिनेत्री ने बताया कि आज भी समाज में काफी लोगों को उनके टाइटल से जज किया जाता है। जाति आधारित हिंसा आज भी हमारे आसपास देखने को मिलती है। हम सीरीज के माध्यम से बस यह दिखाना चाहते थे कि इंसान का जिन बातों पर बस नहीं होता, उनकी वजह से लोगों को किन मुश्किलों से गुजरना पड़ता है। यह यकीनन पहचान और इंसाफ की लड़ाई है और मुझे उम्मीद है कि आखिर में समाज यह लड़ाई जीत जाएगा। महवश ने सीरीज में एक ऐसे प्रभावशाली और बाहुबली परिवार की ग्रामीण लड़की का किरदार निभाया है, जो अपने ही परिवार द्वारा किए जा रहे अत्याचारों और जाति व्यवस्था के खिलाफ खड़ी होती है।

अपने ग्रामीण किरदार को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि उनके लिए यह मुश्किल नहीं था। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो मुझे यह मुश्किल नहीं लगा, क्योंकि मैंने दोनों तरह की जिंदगी जी है। अगर 'प्यार पैसा प्रॉफिट' ने मेरे मुंबई वाले पहलू को दिखाया, तो 'सतरंगी' मेरे अलीगढ़ के जड़ों को दिखाती है।'

अभिनेत्री ने बताया कि यहां तक आना के लिए उन्होंने अनगिनत ऑडिशन दिए और कई रिजेक्शन झेले हैं। उन्होंने कहा, 'इस मुकाम तक पहुंचना ही अपने आप में मुश्किल था, क्योंकि आपको मौके मिलने से पहले अनगिनत ऑडिशन और रिजेक्शन का सामना करना पड़ता है। आप रिजेक्शन से सीखते हैं और धीरे-धीरे अपनी कला को समझते हैं। डिजिटल कंटेंट के लिए एक्टिंग करना और जज्बाती तौर पर गहरे किरदार निभाना, ये दो अलग-अलग दुनियाएं नहीं हैं। अगर आपको सच में एक्टिंग करनी आती है, तो यह बदलाव अपने आप ही हो जाता है।'

'गोलमाल 5' को लेकर तुषार कपूर ने दी बड़ी अपडेट

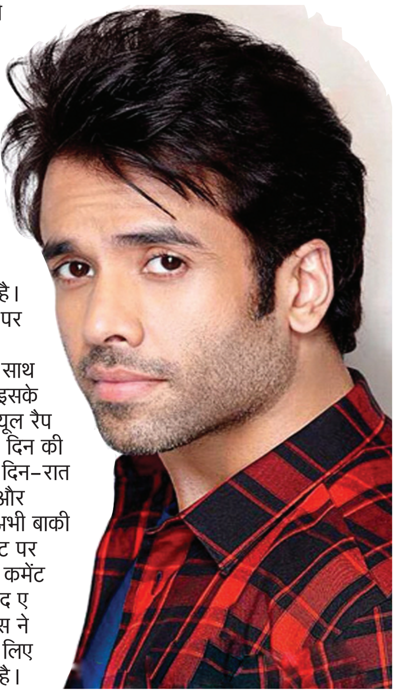

एक्टर तुषार कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म 'गोलमाल 5' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर एक बड़ी अपडेट दी है। तुषार कपूर ने अपनी टीम के साथ एक सेल्फी शेयर की। इसके साथ उन्होंने एक पोस्ट लिखी है। तुषार कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक सेल्फी शेयर की है। इसमें वह अपनी टीम के साथ नजर आ रहे हैं। उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा है 'शेड्यूल रैप सेल्फी। गोलमाल 5, 79 दिन की कड़ी मेहनत, जुनून और दिन-रात शूटिंग, नींद की झपकी और छुट्टियां। लेकिन पिक्चर अभी बाकी है।' तुषार कपूर की पोस्ट पर अभिनेता आफताब ने भी कमेंट किया है। उन्होंने लिखा 'द ए टीम'। पोस्ट पर कई फैंस ने कमेंट करके सीक्वल के लिए अपनी बेसब्री जाहिर की है।

कान फिल्म फेस्टिवल में रिलीज हुआ वामिका गब्बी की 'डीसी' का ट्रेलर

वामिका गब्बी मौजूदा वक्त में इंडस्ट्री की सबसे व्यस्त अभिनेत्रियों में से एक हैं। पिछले महीने 'भूत बंगला' की सफलता के बाद कल ही उनकी नई फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' रिलीज हुई है। अब उनकी आगामी फिल्म 'डीसी' रिलीज को तैयार है। फिल्म का ट्रेलर 79वें कान फिल्म फेस्टिवल में जारी किया गया है। 'डीसी' से निर्देशक से एक्टर बने लोकेश कनगराज अपना एक्टिंग डेब्यू कर रहे हैं। 3 मिनट 13 सेकंड के इस ट्रेलर में लोकेश कनगराज को देवदास और वामिका को चंद्रा के रूप में दिखाया गया है। ट्रेलर में दिखाया जाता है कि चंद्रा के माता-पिता ने कोलकाता में उसे कई साल पहले अवैध रूप से देह व्यापार में बेच दिया था। अब उसके पास रहने की कोई जगह नहीं है। जल्द ही पता चलता है कि देवदास एक पुलिस वाले और डॉक्टर चंद्रा की हत्या के आरोप में वॉन्टेड है। इसके बाद ट्रेलर में जबरदस्त एक्शन, खूनखराबा, बम धमाके और गोलीबारी देखने को मिलती है। ट्रेलर में लोकेश के साथ-साथ वामिका भी कई मौकों पर एक्शन करती नजर आती हैं। ट्रेलर का अंत एक रोमांटिक अंदाज में होता है, जहां वामिका और लोकेश सूर्यास्त के समय एक पहाड़ी पर खड़े नजर आते हैं।

ट्रेलर देखकर उत्साहित हुए फैंस

ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर भी चर्चा में आ गया। हालांकि, अधिकांश यूजर्स ट्रेलर में सबसे ज्यादा प्रभावित अनिरुद्ध के म्यूजिक से हुए हैं। जबकि कई यूजर्स ने ट्रेलर में वामिका और लोकेश की भी जमकर तारीफ की है।

अपनी पहचान बनानी थी, दादा के नाम का सहारा नहीं लिया

दिवंगत म्यूजिक कंपोजर ओपी नय्यर की पोती निहारिका रायजादा साल 2010 में मिस यूके और फिर मिस इंडिया वर्ल्डवाइड रहीं। उनकी परवरिश लक्समबर्ग में हुई। उन्होंने मेडिकल साइंटिस्ट की पढ़ाई की है, पर 2013 से फिल्मी दुनिया में कदम रखे। उनकी पहली फिल्म बंगाली थी, जिसका नाम 'दामोदल' था। हालांकि, चर्चा उन्हें 'बेबी' और 'मसान' जैसी फिल्मों से मिली। साल 2025 में निहारिका फिल्म 'अद्रिका' में नजर आईं और इस साल 'मर्सी' में नजर आईं, जो अप्रैल में रिलीज हुई।

हर कलाकार से कुछ न कुछ सीखा

निहारिका रायजादा अब तक 'मसान', 'बेबी', 'टोटल धमाल' और 'सूर्यवंशी' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। इन फिल्मों में बड़े सितारों के साथ काम करते हुए उन्होंने क्या सीखा? इसके जवाब में वह कहती हैं, 'मैंने हर कलाकार से कुछ न कुछ सीखा है। मसलन ओमपुरी जी इमोशनल आदमी थे, यहां तक कि इमोशंस से ही एक्टिंग करते थे, तो उनसे मैंने वह सीखा। रणवीर सिंह से मैंने सीखा कि इंसान को एक्टर बनने के लिए पैशनेट होना चाहिए। अक्षय (कुमार) सर सबसे बात करते हैं, बहुत बिंदास इंसान हैं और बहुत अनुशासित भी हैं। वह न स्मोकिंग करते हैं और ना ही शराब पीते हैं। तो अनुशासन और शरीर को कैसे मेंटेन करना है, यह मैंने उनसे सीखा। अजय देवगन सर से बिजनेस करना, सिनेमा हॉल्स का बिजनेस चलाना, प्रोड्यूसर-डायरेक्टर बनना जैसी चीजें मैंने समझीं।'

आदिल जी कमाल के हैं

निहारिका इन दिनों फिल्म 'मर्सी' में अपने रोल को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ दिग्गज कलाकार आदिल हुसैन नजर आ रहे हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव पर वह कहती हैं, 'आदिल जी से मैंने सीखा कि इतनी फिल्में करने के बाद भी आप विनम्र और साधारण कैसे बने रहें। उन्होंने 'इंग्लिश-विंग्लिश' और 'लाइफ ऑफ पाई' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। लेकिन उन्हें देखकर पता लगता है कि इंसान जितना ज्यादा ऊपर पहुचंता है न, वह उतना ज्यादा सिंपल होता जाता है। वह फिलोसॉफर है, कई किताबें पढ़ चुके हैं। वह सेट पर अक्सर इम्प्रोवाइज करते थे और जिसे हम नैचुरल एक्टिंग कहते है, वह आदिल सर करते हैं। सच कहूं तो वह कमाल के हैं।'

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर नेपोटिजम की बात होती है। लेकिन निहारिका को अभी तक वैसे मौके नहीं मिल पाए। आखिर क्यों उन्होंने अपने दादाजी के नाम का इस्तेमाल नहीं किया? इसके जवाब में निहारिका कहती हैं, 'क्योंकि किसी ने मुझे उसका इस्तेमाल करने नहीं दिया। हालांकि फिर भी मैंने बहुत अच्छे डायरेक्टर्स के साथ काम किया और मुझे अपने डायरेक्टर्स पर गर्व है। मैं तो इसे भी खुशकिस्मती मानती हूं कि मैं इस इंडस्ट्री का हिस्सा हूं, वरना बहुत लोग फिल्मों में काम करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें वह नसीब नहीं होता। हालांकि फिल्मी फैमिली से होने का फायदा कहीं न कहीं मिलता ही है। लेकिन उसका जो पोटेंशियल है, वह मेरे भी फायदे में नहीं आया।' वह आगे बताती हैं, 'मेरी शुरुआत दरअसल खुद की वजह से हुई थी क्योंकि मैं मिस इंडिया रह चुकी थी। मैंने ऑडिशन दिया और मुझे मौका मिल गया। लेकिन 'टोटल धमाल' मुझे जरूर फैमिली बैकग्राउंड की वजह से मिली थी। शुरू में मैं किसी को बताती ही नहीं थी कि मैं फिल्मी फैमिली से हूं क्योंकि मुझे अपनी पहचान खुद बनानी थी। मैं चाहती हूं कि मैं अपने परिचय से पहचानी जाऊं न कि अपने परिवार के जरिए।'

इच्छामृत्यु पर फैसला सावधानी और समझदारी से हो

निहारिका फिल्म 'मर्सी' में नजर आ रही हैं तो वहीं कुछ समय पहले ही हरीश राणा की इच्छामृत्यु का केस काफी चर्चा में रहा। इस बारे में निहारिका क्या सोचती हैं? वह कहती हैं, 'मैं इच्छामृत्यु को गलत नहीं मानती। लेकिन यह जरूर मानती हूं कि एक व्यक्ति की हालत इतनी खराब है कि कोई और विकल्प नहीं है। तो जिस तरह हरीश राणा का खाना वगैरह विड्रॉल किया गया, तो उस तरह सम्मान के साथ हमारा न्यायालय फैसला ले सकता है। लेकिन यह फैसला सभी पहलुओं को देखते हुए बेहद सावधानी और समझदारी से अथॉरिटीज द्वारा लिया जाना चाहिए।'

Sig2 SideB 05/25/2026 11:35:10 Swastika Creation 3292.job Process Black